ISO 9001:2015 CERTIFIED

"गलतियाँ वही करते हैं जो कुछ करने की कोशिश करते हैं।"

साप्ताहिक

नीमच हेडलाइन्स

डाक पंजीयन क्रमांक मंदसौर 407/2025-27

पंजीयन क्रमांक- MPHIN/2018/76962

अंचल का तेज़ी से बढ़ता न्यूज़ नेटवर्क...

NEEMUCH HEADLINES खबर वही, जो हम दिखाते है..

संस्थापक- स्व.इंद्रदेव जी जाजपुरा

प्रधान सम्पादक - अविनाश जाजपुरा

साप्ताहिक समाचार पत्र,एप्प, वेब पोर्टल और न्यूज़ चैनल

वर्ष - 08 | अंक- 24 | नीमच, बुधवार 3 से 9 दिसम्बर 2025 तक | कुल पृष्ठ - 08 | मूल्य - 5 रू

नीमच में भीम आर्मी का आजाद थाने पर धरना: दलित–आदिवासी मामलों में कार्रवाई न होने का आरोप

नीमच में सोमवार दोपहर आजाद थाने का परिसर 'जय भीम' के नारों से गूंज उठा, जब भीम आर्मी और आजाद समाज पार्टी के पदाधिकारी व सदस्य एकजुट होकर धरने पर बैठ गए। संगठन के नेताओं का आरोप है कि थाने में पदस्थ अधिकारी पिछले आठ–नौ महीनों से दलित और आदिवासी वर्ग की शिकायतों पर उचित कार्रवाई नहीं कर रहे, जिसके चलते पीड़ित लगातार न्याय से वंचित हो रहे हैं। धरने के दौरान कार्यकर्ताओं ने थाना प्रभारी पर तानाशाही रवैया अपनाने के आरोप लगाए और कहा कि दलितों पर होने वाले अत्याचार की शिकायतें दर्ज तो हो रही हैं, लेकिन आगे की कार्रवाई या जांच को जानबूझकर लटकाया जा रहा है। प्रदर्शनकारियों का कहना है कि अजाक थाना विशेष रूप से अनुसूचित जाति और जनजाति वर्ग के लिए बनाया गया है, लेकिन उसी थाने में उनकी बात को दरकिनार किया जा रहा है। संगठन ने एक हालिया घटना का जिक्र करते हुए कहा कि बीच बाजार में एक गरीब दलित युवक के साथ एक रसूखदार व्यक्ति द्वारा की गई मारपीट का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हुआ, बावजूद इसके अब तक FIR दर्ज नहीं की गई। भीम आर्मी के पदाधिकारी गोविंद ने स्पष्ट चेतावनी देते हुए कहा कि जब तक उनके द्वारा उठाए गए मामलों में से कम से कम एक FIR दर्ज नहीं होती, धरना समाप्त नहीं किया जाएगा।

नीमच में अक्षय क्रेडिट को ऑपरेटिव सोसाइटी के धरने का आठवां दिन

पीड़ितों ने सहकारिता विभाग की निकाली अर्थी, न्याय के लिए लगाए नारे लगाए ये गंभीर आरोप

डेस्क- अविनाश जाजपुरानीमच।

अक्षय क्रेडिट कोऑपरेटिव सोसाइटी के खिलाफ 8 दिन के धरने के बाद आज पीड़ितों ने अक्षय क्रेडिट कोऑपरेटिव सोसाइटी के खिलाफ सहकारिता विभाग की अर्थी निकाली। पीड़ितो ने आरोप लगाए की सहकारिता विभाग अभी तक कोई कार्यवाही नहीं कर रहा है और अक्षय क्रेडिट को ऑपरेटिव सोसाइटी को बचाने का कार्य कर रहा है। ऐसे में पिछले आठ दिनों से पीड़ित लगातार कलेक्टर कार्यालय नीमच में धरना प्रदर्शन कर रहे हैं। जिसमें दो व्यक्तियों द्वारा अपने बालों का मुंडन भी कराया गया इसके बाद भी अधिकारियों ने उनकी नहीं सुनी। इस पर परेशान पीड़ितों ने आज सहकारिता विभाग की ही अर्थी निकाल दी। हाथो में मटकी ओर कंधे पर शवयात्रा लेकर जब पीड़ित कलेक्टर कार्यालय में पहुँचे तो एसडीएम ने नाराज होते हुए कहा कि बिना परमिशन के आप लोग धरना कर रहे है। आपके आवदेन पर कार्यवाही के आदेश दे दिए है। इस प्रकार अर्थी लेकर कलेक्टर कार्यालय में प्रवेश करना अनुचित नही है। लेकिन धरना प्रदर्शन करने वाले पीड़ितों ने कहां की जब तक कठोर कार्यवाही नहीं होती, हम अपनी जगह से नहीं उठेगे। आखिर एसडीएम संजीव साहू ने पुलिस प्रशासन को निर्देशित किया कि तुरंत कार्रवाई करते हुए सभी लोगों को यहां से हटाया जाए ऐसे में केंट थाना प्रभारी नीलेश अवस्थी अपनी टीम के साथ कलेक्टर कार्यालय में मौके पर पहुंचे और सहकारिता विभाग एवं अक्षय क्रेडिट कोऑपरेटिव सोसाइटी के खिलाफ धरना कर रहे हैं व्यक्तियों को पुलिस वाहन में बिठाकर के थाने पर ले गए।

इनका कहना :-

"अक्षय क्रेडिट कोऑपरेटिव सोसाइटी के खिलाफ लगातार मिल रही शिकायतो पर हमारे द्वारा परीसमापन का नोटिस जारी किया गया है। जिसमें संस्था के पंजीयन को निरस्त करने के लिए भी नोटिस जारी किया गया है। सोमवार को यह नोटिस जारी किया गया है। ***राजू डावर****- सहकारिता आयुक्त नीमच।*

हम लगातार शिकायतें कर रहे हैं आखिर हमें क्यों नहीं बताया जा रहा कि कौन सी संस्था के खिलाफ नोटिस जारी किया गया है, हमारी मांग है कि जो संस्था चल रही है उसके खिलाफ नोटिस जारी किया जाए अक्षय क्रेडिट कोऑपरेटिव सोसाइटी ने मिलते-जुलते दो नाम का पंजीयन करवाया हुआ है। हमारे साथ सहकारिता विभाग पारदर्शिता नही दिखा रहा है। ***रवि बांगा****- पीड़ित निवासी मनासा"*

नीमच सड़क हादसे की दोहरी त्रासदी: पति के बाद पत्नी की भी मौत, दो बच्चे अनाथ

नीमच। फोफलिया–हरवार मार्ग पर हुए दर्दनाक सड़क हादसे में पति के बाद अब पत्नी की भी मौत हो गई है, जिससे परिवार के दो छोटे बच्चे पूरी तरह अनाथ हो गए हैं। जीरन थाना क्षेत्र में कुछ दिन पहले कारूलाल सेन अपनी पत्नी रेखाबाई सेन के साथ बाइक से जा रहे थे, तभी तेज रफ्तार कार ने उन्हें जोरदार टक्कर मार दी। दुर्घटना इतनी भयावह थी कि दोनों काफी दूरी तक घसीटते चले गए और गंभीर रूप से घायल हो गए। हादसे के तुरंत बाद कारूलाल की मौके पर ही मौत हो गई थी, जबकि गंभीर रूप से घायल रेखाबाई को इलाज के लिए पहले नीमच और फिर अहमदाबाद रेफर किया गया। अहमदाबाद में लम्बे उपचार के बाद रेखाबाई को परिजन घर ले आए थे, लेकिन उनकी हालत लगातार नाजुक बनी रही। मंगलवार सुबह उन्होंने अंतिम सांस ली। परिजन उन्हें नीमच जिला अस्पताल लेकर पहुंचे, जहां पोस्टमॉर्टम के बाद शव सौंप दिया गया। इस दोहरी मौत ने पूरे परिवार को गहरी पीड़ा में डाल दिया है और अब मासूम बच्चों का भविष्य असुरक्षित हो गया है। दुर्घटना के बाद जीरन पुलिस की कार्रवाई को लेकर परिजनों ने कुछ दिन पहले रेवली देवली में चक्का जाम भी किया था, जो लगभग ढाई घंटे तक चला। इसके बाद पुलिस ने कार चालक बलराम, पिता राजेश पाटीदार, निवासी पानमोडी—जो चित्तौड़गढ़ जिले में वन विभाग

में पदस्थ बताया जा रहा है—को गिरफ्तार कर लिया। इसी बीच परिजन जिला प्रशासन से आर्थिक सहायता की मांग कर रहे हैं ताकि दोनों बच्चों की परवरिश और भविष्य सुरक्षित हो सके। कलेक्टर कार्यालय पहुंचकर उन्होंने प्रशासन को अपनी स्थिति से अवगत कराया। एसडीएम संजीव साहू ने परिवार को आश्वस्त करते हुए आवश्यक प्रक्रिया शुरू करने की बात कही है। इस घटना ने क्षेत्र में गहरा असर छोड़ा है और सड़क सुरक्षा तथा जिम्मेदार ड्राइविंग को लेकर फिर सवाल खड़े कर दिए हैं।

घर में घुसकर नाबालिक से छेड़छाड़ करने और मारपीट करने के मामले में पीड़िता ने एसपी से लगाई न्याय की गुहार

नीमच। सोमवार की रात्रि में दो नाबालिक बच्चिया जब घर पर अकेली थी तो एक युवक ने जबरन घर में घुसकर युवतियों के साथ छेड़छाड़ करते हुए मारपीट की। इस मामले में युवतियों ने नीमच सिटी थाने पर एक आवेदन भी दिया। उसे आवेदन पर इनके द्वारा दिये गए कथनों अनुसार कार्यवाही न होने पर मंगलवार को यूवतियां अपने परिजनों के साथ पुलिस अधीक्षक कार्यालय पहुंची और उन्होंने पुलिस अधीक्षक अंकित जायसवाल से न्याय की मांग की। जानकारी के अनुसार पीड़िता ने बताया कि विगत रात्रि लगभग 6 बजे का आसपास अपने घर के अंदर खाना बना रही थी उस वक्त उसके साथ घर में मेरी छोटी बहन भी थी। माता पिता घर और नही थे ऐसे में मौका देखकर घर के पड़ोसी गोविंद पिता देवकिशन बंजारा निवासी सावन घर के अंदर घुसकर छेड़छाड़ की ओर छोटी बहन के साथ मारपीट की। दोनों युवतियों के जोर जोर से चिल्लाने पर आरोपी मौका देखकर भाग गया। ऐसे में पूरा मोहल्ला इकट्ठा हो गया। घबरा कर युवतियों ने पिता को फोन कर घटना की जानकारी दी। पिता द्वारा तुरंत 112 डायल को फ़ोन लगाकर पुलिस को सूचना दी। पुलिस गाड़ी आई और हमे मौके पर ये कहकर वापस निकल गए कि आप थाने आ जाना। पीड़िता पड़ोसियो के साथ रात में लगभग 10 बजे थाने पहुंची। मौके पर उपस्थित पुलिस अधिकारी दयाल हाडा ने अपने हिसाब से एक आवदेन बनाकर उस पर पीड़िता के हस्ताक्षर करवा लिए और हमे उन्होंने प्राप्ति देकर वापस घर जाने की बोल दिया। थाने से बाहर आकर वो आवेदन पूरा पड़ा तो उसमें घटना ही कुछ और थी जो कि हमने बताई ही नहीं थी। उपरोक्त घटना के बाद पीड़िता परिजनों के साथ पुलिस अधीक्षक कार्यालय पहुंची और पुलिस अधीक्षक को लिखित शिकायती आवेदन दिया।

जावद के नई बावल गांव में पानी को लेकर किसान पर फावड़े और सरिए से हमला

नीमच जिले के जावद थाना क्षेत्र के नई बावल गांव में नहर के पानी का पुराना विवाद सोमवार शाम एक बार फिर भड़क उठा और हिंसा में बदल गया। अपने खेत तक पानी पहुंचाने के लिए नाली बना रहे किसान दिनेश लोहार पर पांच लोगों ने अचानक हमला कर दिया। हमलावरों ने फावड़े और सरिए से मारकर दिनेश को गंभीर रूप से घायल कर दिया, जिसके बाद उन्हें देर शाम जिला अस्पताल नीमच लाया गया, जहां उनका उपचार जारी है। घटना से जुड़े लोगों के अनुसार, मोरवन डैम से आने वाली नहर के पानी को लेकर दिनेश लोहार और उनके पड़ोसियों के बीच लंबे समय से तनातनी चल रही थी। खेतों तक पानी ले जाने वाली नाली के निर्माण को लेकर यह विवाद कई बार तनाव का कारण बन चुका था। सोमवार को दिनेश जैसे ही नाली बनाने का काम कर रहे थे, तभी उनके पड़ोसियों ने उन्हें घेर लिया और विवाद अचानक मारपीट में बदल गया। अस्पताल में बयान देते हुए दिनेश लोहार ने बताया कि अक्षय माली, शंभू माली, राधेश्याम माली और मनीष तेली अपने एक अज्ञात साथी के साथ आए और बिना किसी चेतावनी के उन पर फावड़ों और सरियों से हमला कर दिया। इस हमले में दिनेश के पैरों के साथ-साथ शरीर के कई हिस्सों पर गंभीर चोटें आईं। वारदात के बाद सभी आरोपी मौके से फरार हो गए। ग्रामीणों की मदद से घायल किसान को तुरंत जिला अस्पताल पहुंचाया गया। वहीं दूसरी ओर, जावद थाने में सभी नामजद आरोपियों के खिलाफ शिकायत दर्ज करवा दी गई है। पुलिस ने मामला दर्ज करते हुए जांच शुरू कर दी है और अब फरार हमलावरों की तलाश की जा रही है। घटना से गांव का माहौल तनावपूर्ण बना हुआ है और ग्रामीणों में सुरक्षा को लेकर चिंता बढ़ गई है।

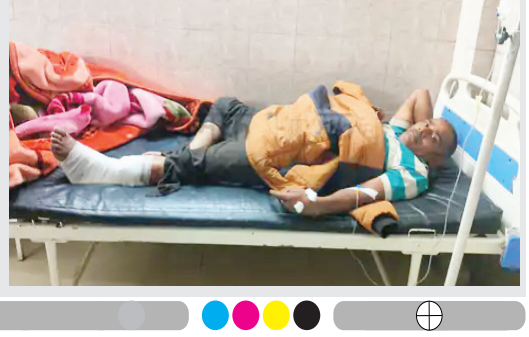

नीमच में रेगर समाज का प्रतिभा सम्मान समारोहः 150 से अधिक युवाओं का सम्मान, सहभोज के साथ हुआ भव्य समापन

नीमच के अटल बिहारी वाजपेयी सभागार में रविवार दोपहर रेगर समाज का वातावरण उत्साह और गौरव से भर उठा, जब अखिल भारतीय रेगर महासभा और गंगापुत्र रेगर महासंघ ने संयुक्त रूप से युवा प्रतिभाओं को सम्मानित करने के लिए विशेष समारोह का आयोजन किया। समाज के 150 से अधिक होनहार युवाओं को उनकी उपलब्धियों और उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए मंच पर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम के दौरान प्रदेश अध्यक्ष सुरेश मांदोरिया और गंगापुत्र महासंघ के प्रदेश अध्यक्ष महेश मेवलिया ने बताया कि इस सम्मान समारोह का उद्देश्य समाज के युवाओं को आगे बढ़ने के लिए प्रेरित करना है। कक्षा 10वीं और 12वीं में उत्कृष्ट अंक प्राप्त करने वाले विद्यार्थी, उच्च शिक्षा में नई ऊंचाइयां छूने वाले, खेलकूद में बेहतर प्रदर्शन से समाज का नाम रोशन करने वाले और सरकारी सेवाओं में चयनित होकर गौरव बढ़ाने वाले युवा इस सम्मान सूची में शामिल थे। समारोह की विशेष आकर्षणों में से एक था रेगर समाज के इतिहास पर आधारित पुस्तक का विमोचन। अतिथियों ने बताया कि यह पुस्तक समाज के गौरवशाली अतीत और संघर्षों की कहानी को नई पीढ़ी तक पहुंचाने का महत्वपूर्ण माध्यम बनेगी।

तीन साल से फरार 5,000 रुपए के इनामी आरोपी को पुलिस ने दबोचा....थाना बघाना पुलिस की बड़ी कार्रवाई

नीमच : पुलिस अधीक्षक श्री अंकित जायसवाल के निर्देश पर फरार आरोपियों की धरपकड़ हेतु चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत बघाना पुलिस को बड़ी सफलता मिली है। अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक श्री नवलसिंह सिसोदिया तथा नगर पुलिस अधीक्षक सुश्री किरण चौहान के मार्गदर्शन और थाना प्रभारी बघाना निरीक्षक राधेश्याम दांगी के नेतृत्व में गठित टीम ने तीन वर्ष से फरार चल रहे 5,000 रुपए के इनामी आरोपी को गिरफ्तार कर लिया।

मामला क्या थाः

दिनांक 16.01.2023 को फरियादी नरेन्द्र जैन निवासी जैन कॉलोनी नीमच ने थाना बघाना में रिपोर्ट दर्ज करवाई थी कि वे कृषि उपज मंडी नीमच में ट्रांसपोर्ट का कार्य करते हैं। 07.01.2023 को उन्होंने अपने वाहन क्रमांक MP 43 G 4616 (पीकअप) से चालक सुरेश नायक निवासी एरवास, जिला रतलाम के माध्यम से 36 क्विंटल 70 किलोग्राम मक्का (क़ीमत 82,000) हंस ट्रेडर्स ताल भेजी थी। लेकिन चालक सुरेश नायक ने माल को निर्धारित स्थान पर न पहुंचाकर स्वयं बेच दिया।

रिपोर्ट पर से थाना बघाना में आरोपी के विरुद्ध धारा 420, 406, 407 भादवि के तहत प्रकरण दर्ज कर विवेचना प्रारंभ की गई। घटना के बाद से आरोपी सुरेश नायक महाराष्ट्र के धुलिया क्षेत्र में मजदूरी व ट्रक चलाने के नाम पर लगातार फरार चल रहा था। कई बार टीमें भेजने के बावजूद आरोपी हाथ नहीं लगा। आरोपी की चल-अचल संपत्ति की जानकारी लेते हुए पुलिस अधीक्षक नीमच द्वारा उस पर 5,000 का इनाम घोषित किया गया था।

कैसे हुई गिरफ्तारीः

सायबर सेल नीमच की मदद से आरोपी के मोबाइल नंबर व उसकी लोकेशन का तकनीकी विश्लेषण किया गया। लगातार लोकेशन ट्रैकिंग के बाद पुलिस टीम ने आरोपी सुरेश उर्फ सुरेन्द्र पिता परमानंद देवड़ा (35 वर्ष), निवासी एरवास, थाना ताल, जिला रतलाम को दिनांक 01.12.2025 को गिरफ्तार कर लिया। अब अपराध के मशरूका की बरामदगी हेतु आगे की कार्रवाई जारी है।

इनका रहा सराहनीय योगदानः

निरीक्षक राधेश्याम दांगी, उप निरीक्षक आर. के. सिंगावत, प्रआर 367 कैलाश चौधरी, प्रआर 407 दिलीप जाट, प्रआर 103 मोनवीर सिंह, आरक्षक 630 ओमप्रकाश पारगी, आरक्षक 493 कारूलाल गुर्जर, आरक्षक 603 सुनील भट्ट तथा सायबर शाखा से प्रधान आरक्षक 299 प्रदीप शिंदे, आरक्षक 136 लाखनसिंह और आरक्षक 90 कुलदीप का महत्वपूर्ण योगदान रहा।

कलेक्टोरेट में सामुहिक राष्ट्रगॉन एवं वन्दे मातरम का गायन

नीमच। कलेक्टर कार्यालय नीमच में सोमवार को सामुहिक राष्ट्रगॉन एवं वंदेमातरम का गायन किया गया। राष्ट्रगॉन म.प्र.गान एवं वन्देमातरम का गायन ए.डी.एम श्री बी.एस.कलेश तथा जिला अधिकारी-कर्मचारियों की उपस्थिति में हुआ।इस मौके पर कलेक्टोरेट भवन स्थित सभी विभागों के अधिकारी-कर्मचारियों ने सामुहिक रूप से राष्ट्रगॉन, वंदे मातरम एवं म.प्र.गॉन का गायन किया। तदपश्चात दिसंबर माह में शासकीय कार्यो की शुरूआत की गई। इस अवसर पर कलेक्टोरेट, राजस्व, भू-अभिलेख, श्रम, सहकारिता विभाग, शिक्षा, कोषालय, जनसम्पर्क कार्यालय, शहरी विकास अभिकरण सहित विभिन्न विभागों के बड़ी संख्या में अधिकारी-कर्मचारीगण उपस्थित थे।

जिला जेल नीमच में गीता महोत्सव संपन्न

नीमच म.प्र.शासन जेल विभाग मंत्रालय भोपाल एवं जेल मुख्यालय भोपाल के निर्देशानुसार गीता जंयती के अवसर पर अन्तर्राष्ट्रीय गीता महोत्सव का आयोजित किया गया। कार्यक्रम में जेल में परिरूद्ध 415 पुरूष बंदी एवं 10 महिला बंदिनियों ने भाग लियाऔर श्रीमद् भगवद् गीता के 15वें अध्याय का सस्वर पाठ किया। इस अवसर पर जेल उप अधीक्षक श्री एन.एस.राणा, सहायक जेल अधीक्षक श्री मनोज कुमार चौरसिया, जेल चिकित्सक डॉ.अजीतसिंह शक्तावत एवं अन्य जेलकर्मी भी उपस्थित थे।इसी तरह उप जेल जावद में भी गीता उत्सव मनाया गया और बंदियों को गीता के 15वें अध्याय का श्रवण कराया गया। सभी ने श्रीमद् भगवद् गीता के 15वें अध्याय का सामुहिक सस्वर पाठ भी किया। यह जानकारी जेल अधीक्षक श्री अंशुल गर्ग ने दी।

जावद के जाट में मंदिर और दुकानों पर धावाः दान पेटी से नकदी चोरी, ग्रामीणों में पुलिस के प्रति आक्रोश

जावद क्षेत्र के जाट कस्बे में सोमवार रात हनुमान चौराहे पर स्थित हनुमान मंदिर में चोरी की घटना ने पूरे इलाके को दहला दिया। अज्ञात चोर देर रात मंदिर का ताला तोड़कर भीतर घुसे और दान पेटी में रखी हजारों रुपए की नकदी गायब कर दी। सुबह जब ग्रामीण मंदिर पहुंचे, तो ताले टूटे हुए और दान पेटी खाली होने के दृश्य देखकर सभी स्तब्ध रह गए। घटना यहीं तक सीमित नहीं रही। चोरों ने चौराहे के आसपास मौजूद दुकानों को भी निशाना बनाया। दुकानदार सुनील बैरागी की दुकान के ताले तोड़कर चोरी की वारदात को अंजाम दिया गया। सुनील का कहना है कि पिछले कुछ वर्षों में उनकी दुकान पर 3-4 बार चोरी हो चुकी है, जबकि मंदिर में भी हर साल इसी तरह की चोरी की घटनाएं सामने आती रही हैं। लगातार हो रही इन वारदातों को लेकर ग्रामीणों में पुलिस की कार्यप्रणाली पर भारी नाराजगी है। उनका कहना है कि हर वर्ष चोरी होने के बावजूद पुलिस आज तक किसी भी चोर को पकड़ने में सफल नहीं हो सकी है। इससे चोरों के हौसले बढ़ते जा रहे हैं और वे बार-बार धार्मिक स्थलों और दुकानों को निशाना बना रहे हैं। ग्रामीणों का मानना है कि अगर पुलिस की गश्त और निगरानी मजबूत होती, तो ऐसी घटनाएं शायद न होतीं। धार्मिक स्थल पर लगातार हो रही चोरी ने सुरक्षा व्यवस्था पर बड़ा सवाल खड़ा कर दिया है और अब ग्रामीण प्रशासन से ठोस कार्रवाई की मांग कर रहे हैं।

जनसुनवाई में दिव्यांग पंकज को स्वरोजगार के लिए कलेक्टर ने दिलाया रेडक्रास से लेपटाप

कलेक्टर ने की जनसुनवाई - 55 आवेदको की सुनी समस्याएं

नीमच। कलेक्टर श्री हिमांशु चंद्रा ने मंगलवार को कलेक्टोरेट सभाकक्ष में जनसुनवाई की। उन्होने जावद निवासी दोनो पैरो से चलने में असमर्थ बी.सी.ए.उत्तीर्ण दिव्यांग पंकज बोहरा को कम्पूयटर से संबंधित स्वरोजगार के लिए रेडक्रास नीमच से लेपटाप क्रय करने हेतु सहायता राशि स्वीकृत की है। साथ ही पंकज बोहरा को एम.पी.ऑनलाईन का कार्य करने के लिए एम.पी.ऑनलाईन का पंजीयन करवाकर, पंजीयन पत्र तत्काल जारी करने के निर्देश भी कलेक्टर ने ई-गर्वेनेंस जिला प्रबंधक को दिए है। कम्यूटर संचालन में दक्ष दिव्यांग पंकज बोहरा कलेक्टर से जनसुनवाई में मिली इस मदद से अपना स्वयं का एम.पी. ऑनलाईन का कार्य कर, आत्मनिर्भर बन सकेगा और अपना व अपने परिवार का अच्छे से गुजर बसर कर सकेगा। कलेक्टर ने जनसुनवाई में कनावटी के हरिओम पाटीदार के आवेदन पर जेल के पास कनावटी की गाडोलिया बस्ती में मुख्य सड़क के दोनो ओर किए गये अवैध अतिक्रमण तत्काल हटाने के निर्देश भी तहसीलदार नीमच शहर को दिए है। जनसुनवाई में 55 आवेदकों ने अपनी समस्याओं से संबंधित आवेदन प्रस्तुत किए। जिस पर कलेक्टर ने संबंधित अधिकारियों को आवश्यक कार्यवाही करने के निर्देश दिए। इस मौके पर जिला पंचायत सीईओ श्री अमन वैष्णव, एडीएम श्री बी.एस. कलेशसहित अन्य जिला अधिकारी उपस्थित थे। जनसुनवाई में इंद्रा नगर नीमच के माणकचंद, नयागांव के राजू धाकड़, गुजरखेडी तालाब के दिनेश धाकड, नीमच सिटी के जगदीश खरारे, किशनपुरा के कमलेश, बिसलवास खुर्द के जानकीलाल, सुरजमल, नीमच के शंकरलाल, धनेरियाकलां की ममता बाई, जवाहर नगर नीमच के रमेशचंद्र, नीमच की परवीन बी, गिरदौडा के रूपचंद्र, अठाना की गुड्डीबाई, जनकपुर के सुभाष पाटीदार, मनासा के राधेश्याम ने भी अपनी समस्याओं से संबंधित आवेदन प्रस्तुत किए।इसी तरह सरवानिया महाराज की नंदूबाई, नयागांव की सम्पतबाई, बोरखेडी पानेडी जगदीशचंद्र, बराडा के रामगोपाल, मौखमपुरा की अख्तरबाई, धनेरियाकलां की पार्वतीबाई, नीमच के छोटेलाल, बिसलवास की प्रेमबाई, नीमच के मुस्तकिम, ईस्माईलखान, कंजार्डा के हीरालाल, मरीरिया के यूनूस बेग, घोटा पिपलिया के किशोरदास, नयागांव के सतुं धाकड़, मनासा की अन्नपूर्णा बाई आदि ने अपनी समस्याओं से संबंधित आवेदन जनसुनवाई में प्रस्तुत किए।

एम.पी. ऑनलाईन का पंजीयन जारी करने के भी दिए निर्देश

खाद्य सुरक्षा टीम ने जिले की 21 खाद्य फर्मों का आकस्मिक निरीक्षण किया

नीमच। आयुक्त खाद्य सुरक्षा एवं नियंत्रक भोपाल एवं कलेक्टर श्री हिमांशु चंद्राके निर्देशानुसार जिले की खाद्य सुरक्षा टीम ने नवम्बर 2025 में नीमच जिले में 21 फर्मों का आकस्मिक निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान टीम ने विक्रय हेतु निर्मित एवं पेक खाद्य पदार्थ, विभिन्न पैकिंग खाद्य तेल, विभिन्न पैकिंग के घी, किशमिश, खजूर, बेसन, मैदा, रवा, गुड़ विभिन्न पैकिंग के नमकीन, टोस्ट, मसाले सहित कुल 43 नमूने खाद्य सुरक्षा और मानक अधिनियम 2006 के तहत लिए गए है। खाद्य परिसर में कमियां पाए जाने पर उक्त अधिनियम के तहत संबंधितों को नोटिस जारी किए गए हैं। नमूनों को जांच के लिए राज्य खाद्य परीक्षण भोपाल भेजा गया है। रिपोर्ट प्राप्त होने पर संबंधित के विरुद्ध खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम के तहत अग्रिम कार्यवाही की जाएगी।

अक्षय क्रेडिट को-ऑपरेटिव सोसायटी लिमि. मनासा की जांच पूर्ण

संस्था को परिसमापन का नोटिस जारी

नीमच, सहायक आयुक्त सहाकारिता विभाग जिला नीमच श्री राजू डाबर ने बताया कि, अक्षय क्रेडिट को-ऑपरेटिव सोसायटी लिमि. मनासा के विरूद्ध प्राप्त शिकायतों की सहकारिता विभाग के जांचदल द्वारा जांच पूरी कर ली गई है। दल द्वारा प्रस्तुत जांच प्रतिवेदन में पाया गया है,कि उक्त संस्था मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटी अधिनियम 1960 नियम 1962 एवं पंजीकृत उपविधि के प्रावधानों एवं कार्यालयीन आदेशों का निरन्तर उल्लघंन कर रही हैं ।इस पर स्वप्रेरणा से सहायक पंजीयक सहकारिता नीमच द्वारा संस्था के पंजीयन को निरस्त करने और संस्था के परिसमापन के लिए कारण बताओं सूचना पत्र जारी किया गया है। साथ ही सहायक आयुक्त सहकारिता नीमच द्वारा संस्था के कालातीत ऋणी सदस्य (जिनके विरूद्ध पूर्व में माननीय न्यायालय द्वारा डिक्री आदेश पारित किए गए) को सूचित किया है कि माननीय न्यायालय द्वारा पारित डिक्री से असंतुष्ट होने की स्थिति में वे विधिक अधिकारों का प्रयोग करते हुए वरिष्ठ न्यायालय में अपील कर सकते है ।

शिक्षा में गुणवत्ता सुधार एवं सामुदायिक भागीदारी के लिए गांवों में शिक्षा चौपाल लगाई जाएगी-कलेक्टर चंद्रा

कलेक्टर ने प्राचार्यो की बैठक में 10वीं, 12वीं के अर्द्धवार्षिक परीक्षा परिणामों की विस्तृत समीक्षा

नीमच जिले में जिला प्रशासन द्वारा कलेक्टर श्री हिमांशु चंद्रा के मार्गदर्शन में विद्यार्थियों को उच्च गुणवत्तापूर्ण शिक्षा उपलब्ध कराने, अध्यापन कार्य की गुणवत्ता में सुधार तथा बोर्ड परीक्षाओं के परिणामों में विशेष सुधार करने के लिए विशेष प्रयास किए जा रहे है। इसी क्रम में कलेक्टर श्री हिमांशु चंद्रा की अध्यक्षता में सोमवार को जिला पंचायत नीमच के सभाकक्ष में जिले के सभी हाई स्कूल, हायर सेकेण्ड्री स्कूलों के प्राचार्यो, संकुल प्राचार्यो तथा शिक्षा विभाग के अधिकारियों की बैठक आयोजित की गई। बैठक में कलेक्टर श्री चंद्रा ने सभी प्राचार्यो को निर्देश दिए, कि विद्यार्थियों की शिक्षा, अध्यापन, परीक्षा परिणाम में सुधार कार्य को सभी सर्वोच्च प्राथमिकता दें। बैठक में कलेक्टर ने सभी प्राचार्यो को निर्देश दिए, कि वे कक्षावार विद्यार्थीवार अर्द्धवार्षिक परीक्षा परिणाम की समीक्षा एवं विशलेषण कर ले और आगामी प्रीबोर्ड एवं मुख्य परीक्षाओं में उत्कृष्ट परिणामों की तैयारी करवाएं। अच्छी मेहनत करें, अर्द्धवार्षिक परीक्षा परिणाम के आधार पर बच्चों की प्रोफाईल तैयार कर, उनकी शिक्षा, अध्यापन पर विशेष ध्यान दें, विशेष अतिरिक्त कक्षाएं संचालित करें। कठिन विषयों के अध्यापन पर विशेष ध्यान दें।कलेक्टर ने निर्देश दिए कि शाला के सभी विद्यार्थी ए ग्रेड के साथ अनिवार्य रूप से उत्तीर्ण हो। कोई भी विद्यार्थी अनुत्तीर्ण ना हो, इसका विशेष ध्यान

रखे।बैठक में कलेक्टर ने शासकीय हाईस्कूल एवं हायर सेकेण्ड्री स्कूलों के अर्द्धवार्षिक परीक्षा में उत्कृष्ट स्थान पर रहे और न्यूनतम स्थान पर रहे विद्यालयों के प्राचार्यो से वन-टू-वन चर्चा की। उन्होने उत्कृष्ट परीक्षा परिणाम वाले सभी प्राचार्यो की सराहना की। वही न्यूनतम परिणाम वाले प्राचार्यो को सुधार लाने की हिदायत दी। कलेक्टर ने 10वीं एवं 12वीं में अपेक्षित कम परिणाम वाले विद्यालयों के प्राचार्यो को कारण बताओं सूचना पत्र जारी करने तथा उत्तर संतोषजनक प्राप्त नहीं होने पर कार्यवाही करने के निर्देश भी जिला शिक्षा अधिकारी को दिये। कलेक्टर ने सभी प्राचार्यो तथा शिक्षकों को विद्यालय में समय पर उपस्थिति होने, ई-अटेन्टेंस के माध्यम से उपस्थिति दर्ज कराने, अपने विषय का अध्यापन गंभीरता पूर्वक कराने तथा शिक्षा विभाग के अधिकारियों को नियमित मॉनिटरिंग करने के निर्देश दिये। कलेक्टर ने विषय वार अलग-अलग चार नोडल जिला स्तर से विद्यालयों में परिणाम सुधार के लिए नियुक्त करने के निर्देश दिए। बैठक में कलेक्टर ने शिक्षा में गुणात्मक सुधार, अर्द्धवार्षिक परीक्षा परिणाम में कमजोर विद्यार्थियों के परीक्षा परिणामों में सुधार के लिए अभिभावकों से संवाद व चर्चा के लिए सभी गांवों में शिक्षा चौपाल आयोजित करने के निर्देश सभी प्राचार्यो को दिए। उन्होने आगामी प्री बोर्ड व मुख्य परीक्षा परिणाम में शतप्रतिशत विद्यार्थी 75 प्रतिशत से अधिक अंकों के साथ उत्तीर्ण हो यह प्रयास करने के निर्देश भी दिए।इस अवसर पर जिला पंचायत सीईओं श्री अमन वैष्णव, जिला शिक्षा अधिकारी श्री एस.एम. मांगरिया, सहायक संचालक श्री मनोज जैन, श्री प्रलयकुमार उपाध्याय, बीईओ एवं प्राचार्यगण उपस्थित थे।

खनिजों का अवैध परिवहन करते हुए दो वाहन जप्त

नीमच। खनिज अधिकारी श्री गजेन्द्र सिह डाबर एवं टीम द्वारा अवैध खनिज उत्खनन, परिवहन, भण्डारण के विरूद्ध जावद, मनासा क्षेत्र में कार्यवाही करते हुए खनिज गिट्टी एवं खण्डा का अवैध परिवहन करते हुए दो वाहनों को मध्यप्रदेश खनिज (अवैध खनन, परिवहन तथा भण्डारण का निवारण) नियम 2002 के तहत जप्त किया गया है। उक्त वाहन को पुलिस थाना जावद एवं मनासा की अभिरक्षा में आगामी आदेश तक सुरक्षार्थ खडे किये गये है। अवैध परिवहन में संलिप्त वाहनों में डम्पर क्र. KL832050 गिट्टी एवं ट्रेक्टर क्र. FARMTRAC खण्डा शामिल है।

नीमच में 1100 से अधिक छात्र-छात्राओं और गीता प्रेमियों ने किया श्रीमद् भगवद् गीता के 15वें अध्यांय का सस्वर पाठ

नीमच। अंतरराष्ट्रीय गीता जयंती के उपलक्ष में जिला स्तरीय कार्यक्रम उत्कृष्ट विद्यालय नीमच में संपन्न हुआ। कार्यक्रम में कलेक्टर श्री हिमांशु चंद्रा, मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत, श्री अमन वैष्णव, जिला अध्यक्ष श्रीमती वंदना खंडेलवाल,श्रीमती मीना जयसवाल सहित गीता महोत्सव के जिला प्रभारी श्री विपिन पुरोहित उपस्थित थे।कार्यक्रम का शुभारंभ सरस्वती पूजन गीता पूजन तथा शंखनाद के साथ हुआ।शंखनाद श्री श्री शंकर शुक्ला द्वारा किया गया। इसके उपरांत स्वस्तिवाचन, गुरु वंदना, भगवत गीता महात्मा, प्रेरणा गीत आदि का सस्वर गायन, अनुगायन सांदीपनि विद्यालय नीमच की शिक्षिका श्रीमती रितु शर्मा तथा विद्यार्थियों ने किया।कार्यक्रम में श्रीमद भगवत गीता के पंचोदश अध्याय का गायन-अनुगायन तथा भावार्थ प्रस्तुत किया गया। व्यास पीठ पर श्री दिग्विजय पालीवाल के द्वारा श्रीमद भगवत गीता के 15वें अध्याय का 1100 से अधिक छात्र-छात्राओं के साथ गायन-अनुगायन किया।कार्यक्रम के अंत में श्रीमद भगवत गीता जी की आरती कर सभी को प्रसाद वितरण किया गया। इस अवसर पर राज्य से प्राप्त श्रीकृष्ण

के जीवन पर आधारित 94 फोटो की प्रदर्शनी भी आयोजित की गई। कलेक्टर एवं अतिथियों और विद्यार्थियों तथा गीता प्रेमियों ने प्रदर्शनी का अवलोकन किया। कार्यक्रम में नीमच के विभिन्न स्कूलों के विद्यार्थियों ने भी सहभागिता की कार्यक्रम में जिला शिक्षा अधिकारी श्री माँगरिया , डीपीसी श्री दिलीप व्यास, एडीपीसी श्री प्रलय उपाध्याय, प्राचार्य श्री ज्ञानवर्धन श्रीवास्तव, श्री अनिल कुमार व्यास तथा नीमच के विभिन्न विद्यालयों के शिक्षक भी उपस्थित थे। कार्यक्रम का संचालन श्री अरविंद शर्मा ने किया तथा आभार प्राचार्य श्री व्यास ने व्यक्त किया।

प्रदेश में उत्तम शिक्षा एवं कौशल विकास के केन्द्र बन रहे हैं सांदीपनि विद्यालयः मुख्यमंत्री डॉ. यादव

गुणवत्ता शिक्षा में सांदीपनि विद्यालय को मिल रही है अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर पहचान, अगले शैक्षणिक सत्र तक 250 से अधिक विद्यालयों के होंगे अपने भवन

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि प्रदेश में नई शिक्षा नीति वर्ष 2020 के अनुरूप स्कूल शिक्षा में गुणवत्ता सुधार के लिये राज्य सरकार लगातार प्रयास कर रही है। प्रदेश के सांदीपनि विद्यालयों ने अपनी उच्च गुणवत्ता के कारण अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर पहचान बनाई है। सांदीपनि विद्यालयों के माध्यम से बच्चों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा दिये जाने के साथ ही उनके कौशल विकास और उन्हें रोजगार से जोड़ने पर भी विशेष ध्यान दिया जा रहा है। राज्य में सांदीपनि विद्यालय की शुरूआत वर्ष 2022-23 शैक्षणिक सत्र से प्रारंभ हुई। इस सत्र में प्रथम चरण में प्रदेश में 274 सांदीपनि विद्यालय शुरू किये गये। इन विद्यालयों में पढ़ने वाले बच्चों की संख्या 3 लाख से ऊपर हो गयी है। विद्यालय में केजी-वन से कक्षा 12वीं तक के विद्यार्थियों को शिक्षा प्रदान की जा रही है। वर्ष 2024-25 में कक्षा 10वीं का परीक्षा परिणाम 88 प्रतिशत और कक्षा 12वीं का परीक्षा परिणाम 84 प्रतिशत तक रहा है।

उत्कृष्ट अधोसंरचना

स्कूल शिक्षा विभाग ने सांदीपनि विद्यालयों में अधोसंरचना के विस्तार को प्राथमिकता दी है। राज्य में 256 सांदीपनि विद्यालय भवनों के निर्माण का कार्य प्रारंभ किया गया। विद्यालयों के भवन निर्माण एवं संसाधनों की सुविधा के लिये स्कूल शिक्षा विभाग ने लगभग 10 हजार करोड़ रूपये की कार्ययोजना तैयार की है। अब तक 44 सांदीपनि विद्यालयों के नवीन भवन बनकर तैयार हो गये हैं। इन नवीन भवनों में सांदीपनि विद्यालयों का संचालन किया जा रहा है। अगले शैक्षणिक सत्र वर्ष 2026-27 में 256 विद्यालयों का भवन निर्माण पूरा कर लिया जायेगा। सांदीपनि विद्यालयों में निकटस्थ 10 से 15 किलोमीटर दूरी के विद्यार्थियों को लाने के लिये निःशुल्क परिवहन सेवा भी प्रदान की जा रही है।

पूर्णतः सुसज्जित प्रयोगशालाएं

प्रदेश में संचालित सभी सांदीपनि विद्यालयों में पूर्णतः सुसज्जित प्रयोगशालाएं, कम्प्यूटर लेब, आर्ट एण्ड क्राफ्ट रूम, म्यूजिक रूम, आधुनिक लाइब्रेरी और खेल मैदान के साथ ऑडिटोरियम की सुविधा भी दी गई है।

अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर पुरस्कार

सांदीपनि विद्यालयों ने अपने कुशल संचालन से अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर पुरस्कार प्राप्त किये हैं। वर्ष 2024 में सांदीपनि बिनोवा विद्यालय रतलाम ने नवाचार श्रेणी में अंतर्राष्ट्रीय संस्था टी-4 एजुकेशन का प्रथम पुरस्कार प्राप्त किया। विद्यालय को पुरस्कार स्वरूप 10 हजार डॉलर राशि प्रदान की गई। इसी तरह सांदीपनि विद्यालय झाबुआ को सर्पोटिंग हेल्थी लाइफ श्रेणी में विश्व के प्रथम 10 विद्यालयों में चयनित किया जा चुका है। वर्ष 2025 में सांदीपनि विद्यालय मालव कन्या को फिक्की द्वारा एक्सीलेंस अवार्ड प्रदान किया गया।

शादियों के सीजन में मांगलिक भवन नहीं किया जा रहा बुक, बदहाल हालत में है।डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी सामुदायिक भवन

नाममात्र की मरम्मत कराने मे भी पूरी तरह से लापरवाही बरतने के कारण लोग हो रहे है परेशान

ब्यूरो रिपोर्ट- निर्मल मून्दड़ा

रतनगढ़। जैसा कि आप सभी जानते हैं।कि इस वर्ष शादी विवाह के सबसे ज्यादा मुहूर्त नवंबर दिसंबर माह में है। शादी विवाह के चल रहे सीजं में भी जन सुविधा के लिए बनाए गए मांगलिक भवन का मेंटेनेंस व नगर परिषद के कार्य करने का तरीका अब आमजन की समझ से पूरी तरह से बाहर होता जा रहा है।हालात ये हो रहे है।कि नगर परिषद के जिम्मेदारो की लापरवाही से नगर परिषद की छवि तो धूमिल हो ही रही है।वहीं लोगों का विश्वास भी उठता जा रहा है।ऐसी परिस्थितियों से समझा जा सकता है कि आमजन की समस्याओं के प्रति नप कितनी गंभीर है। वार्ड क्रमांक 14 स्थित श्री श्यामा प्रसाद मुखर्जी सामुदायिक भवन जो आमजन की सुख सुविधा के लिए बनाया गया है।आज उसे अनाथों की तरह छोड़ रखा है।ज्ञात रहे कि मेला ग्राउंड वीरेंद्र कुमार सकलेचा बस स्टैंड वार्ड नं.14 के बीच हृदय स्थल पर बनाए गए सामुदायिक भवन की बुकिंग को नगर परिषद ने बीते कई माह से बंद कर रखी है। जिससे नीम्न व मध्यम वर्गीय लोगों को भारी परेशानियो का सामना करना पड़ रहा है।जो भी रहवासी बुकिंग कराने नगर परिषद मे जा रहे है।तो उनसे जिम्मेदार अधिकारी कर्मचारी यह कहकर बुकिंग करने से मना कर देते हैं।कि मांगलिक भवन एक तरफ से जर्जर हो रहा है।एवं सेफ्टी टैंक भी लिकैज हो रहा है।नगर के रहवासियों का कहना है।कि केवल नाम मात्र की मरम्मत से ही उक्त समस्या का हल हो सकता है। सेफ्टी टैंक मे लीकेज की समस्या के हल नहीं होने के कारण अपशिष्ट पदार्थों व गंदे पानी की निकासी इधर- उधर हो रही है।जिससे परिसर और आस-पास के रहवासी क्षेत्र में अत्यधिक गंदगी और दुर्गंध फैल रही है।जो पर्यावरण को प्रदूषित करने के साथ ही आसपास के रहवासियों के स्वास्थ्य के लिए भी गंभीर खतरा पैदा कर रही है।बताया जा रहा है।कि नगर परिषद के द्वारा पिछले 5-6 माह से अधिक होने आए है।आज तक मांगलिक भवन की मरम्मत नगर परिषद नहीं करवा पाई है।ऐसे में समझा जा सकता है।कि नगर परिषद द्वारा जन हितेषी इस कार्य के प्रति कितनी लापरवाही बरती जा रही है।जबकि यह मांगलिक भवन नगर के मध्य में होने के साथ ही सर्व सुविधा के साथ शादी विवाह के सीजन में हजारों रूपये की आय नगर परिषद को देता आ रहा है।उसके बाद भी सही तरीके से उचित देख रेख व रखरखाव नही होने से नाम मात्र की मरम्मत के नाम पर बुकिंग नहीं करना एकदम समझ से परे है।नगर के जागरूक नागरिकों ने बताया कि नगर परिषद इस भवन की नाम मात्र की समस्या को हल करने के लिए कोई रुचि नहीं दिखा रही है।बुकिंग करवाने जाने वाले सभी रहवासियों को केवल निराशा ही हाथ लग रही है।मजबूरन जरूरत मंदो को भारी आर्थिक नुकसान के साथ रतनगढ़ से करीबन 1 किलोमीटर दूरी पर स्थित जाट रोड़ मांगलिक भवन को बुक करवाना पड़ रहा है।इस गम्भीर समस्या के जिम्मेदार रतनगढ़ नगर परिषद में बैठे वे जन प्रतिनिधि है।जो जान बूझकर समस्या को हल करने मे अपनी रुचि नहीं दिखा रहे है।और शादी विवाह के सीजन में भी लोगों को अधिक पैसा खर्च कर निजी स्थानो पर बहुत अधिक पैसा खर्च कर मांगलिक आयोजन करने पर मजबूर होना पड़ रहा है।अब देखना यह है कि शासन प्रशासन एवं जिम्मेदार जन प्रतिनिधि आमजन की समस्या को ध्यान में रखते हुए क्या श्यामा प्रसाद मुखर्जी मांगलिक भवन कि शीघ्र मरम्मत कराएंगे या नागरिकों को यूं ही इधर- उधर भटकना पड़ेगा।

रतनगढ़ मे चोरों का आतंक,लाखों रुपए के सीसीटीवी कैमरे हुए फेल, हजारों रुपए की नगदी एवं खाने पीने की सामग्री पर किया हाथ साफ

ब्यूरो रिपोर्ट- निर्मल मूंदड़ा

रतनगढ़। रतनगढ़ में सोमवार एवं मंगलवार की मध्य रात्रि में तीन जगह पर अज्ञात चोरों के द्वारा ताला तोड़ने एवं हजारों रुपए की नगदी व अन्य खाद्य सामग्री व सामान की चोरी की वारदात की जानकारी सामने आई है।प्राप्त जानकारी के अनुसार इस मामले में दो पीड़ित व्यक्तियो के द्वारा रतनगढ पुलिस थाने पर लिखित में रिपोर्ट भी दर्ज कराई गई है।इस दौरान एक बात और यह भी सामने आई है।कि रतनगढ़ में हर चौक एवं चौराहों पर लाखों रुपए खर्च कर लगाए गए सीसीटीवी कैमरे (तीसरी आंख) केवल चौक चौराहे की शोभा बढ़ाने के लिए ही लगाए गए है।क्योंकि अधिकांश समय तो यह बंद ही रहते हैं।पूर्व में भी लाखों रुपए की चोरी की वारदातें रतनगढ़ नगर में हो चुकी है। लेकिन आज तक भी पुलिस उनका कोई सुराग नहीं लगा पाई है। ऐसा लग रहा है।कि लाखों रुपए खर्च कर यह सीसीटीवी कैमरे केवल जन प्रसिद्धि पाने के लिए ही लगाए गए थे। जिसका आम जनता की सुरक्षा से सम्बंधित किसी प्रकार का कोई फायदा आज तक नहीं मिल पाया है।अब तो नगर के अधिकांश बुद्धिजीवी वर्ग भी दबी जुबान यह कहने लगे हैं।कि नगर परिषद द्वारा लाखो रुपये खर्च कर लगाए गए सभी सीसीटीवी कैमरे ही भारी भ्रष्टाचार की भेंट चढ़ गए हैं।विस्तृत जानकारी के अनुसार सोमवार एवं मंगलवार की मध्यरात्रि में रतनगढ थाना क्षेत्र में लगभग चार से पांच चोरो ने अपने हाथ की सफाई का कमाल दिखा दिया।इस दौरान चोरो ने तीन स्थानों पर चोरी की वारदात को अंजाम देने का प्रयास किया।जिसमे जाट रोड बोहरा गली के पास स्थित डॉ. बिलाल मंसूरी के क्लीनिक के ऊपर मकान मे रह रहे हमीरगंज निवासी जसवीर सेठी सरदार जी जो दो-तीन दिन के लिए किसी मांगलिक कार्यक्रम के कारण बाहर गए थे। के मकान का ताला तोड़कर उनकी अलमारी में रखा लगभग 20 से 25 हजार रुपए की नगदी एवं मिठाई का डिब्बा ले जाने मे सफल हो गए।एवं घर में रखा सारा सामान इधर-उधर बिखेर दिया।साथ ही बादशाह पेट्रोलियम जाट रोड़ के सामने स्थित बबलू ग्वाला के जय मां जोगणिया ढाबे का भी ताला तोड़ दिया एवं वहां पर लगभग चार साढे चार हजार रुपए नगदी एवं लगभग 4 से 5 हजार रुपए कीमत के बीड़ी, सिगरेट, गुटका,बिस्किट एवं चिप्स कुरकुरे के पैकेट आदी खाने पीने की सामग्री भी ले जाने मे सफल हो गए।वही जाट रोड़ पर ही कालिका इंडियन ऑफिस के सामने स्थित बाबरु सोलंकी के खेत पर से भी लोहे का पलंग उठा ले गए।जो कुछ दूरी पर वापिस डालकर चले गए। ढाबे पर लगे सीसीटीवी कैमरे में जहां चार अज्ञात युवक दिखाई दे रहे हैं।वही एक और अन्य जगह लगे सीसीटीवी में पांच युवक दिखाई दे रहे हैं।अब देखना यह है।कि क्या पुलिस प्रशासन इन चोरों को पकड़ने में कामयाब हो पाते हैं।या पूर्व की भांति इन चोरिया का भी कोई सुराग नहीं लग पाएगा।

भारतीय सिनेमा के बागी की वापसी! सिद्धांत चतुर्वेदी निभाएंगे भारतीय सिनेमा के दिग्गज, वी. शांताराम की भूमिका

ब्यूरो रिपोर्ट- जयसिंह रघुवंशी "जय"

मुंबई। भारतीय सिनेमा एक ऐतिहासिक क्षण का साक्षी बनने जा रहा है, क्योंकि भूले-बिसरे वैश्विक आइकन वी. शांताराम की कहानी एक नई पीढ़ी को प्रेरित करने के लिए लौट रही है। सिद्धांत चतुर्वेदी अपने करियर की सबसे रूपांतरणकारी और चुनौतीपूर्ण भूमिका निभाते हुए उस अग्रणी फिल्मकार वी. शांताराम को पर्दे पर जीवंत करेंगे, जिन्हें लंबे समय से भारतीय सिनेमा का मूल बागी कहा जाता रहा है। मेकर्स ने इस भव्य जीवनी-आधारित ड्रामा के घोषणा-पोस्टर में सिद्धांत को शांताराम के रूप में प्रस्तुत किया है, जिसका शीर्षक भी 'वी. शांताराम' है। अभिनेता सिद्धांत चतुर्वेदी ने कहा, "वी. शांताराम जी को निभाना मेरे जीवन के सबसे बड़े सम्मान में से एक है। उनकी यात्रा के बारे में जितना पढ़ा, उतना ही विनम्र होता गया। वे सिर्फ भारतीय और वैश्विक सिनेमा के अग्रदूत ही नहीं थे, बल्कि एक ऐसे दूरदर्शी थे जो हर बाधा के बावजूद आगे बढ़ते रहे। उनकी दुनिया में कदम रखना एक अभिनेता के रूप में मेरे लिए सबसे रूपांतरणकारी अनुभव रहा। उनका जीवन मुझे गहराई से छू गया और मुझे धैर्य की शक्ति की याद दिलाई। यह एक सीख है जिसे मैं अपने काम में और अपने जीवन के हर पल में संजोकर रखना चाहता हूं।" निर्देशक अभिजीत शिरीष देशपांडे ने कहा, "वी. शांताराम मेरे लिए एक फिल्ममेकर के तौर पर हमेशा प्रेरणा के सबसे बड़े स्रोत रहे हैं। प्रयोग करने का उनका साहस और उनकी दृष्टि ने आज के सिनेमा को गढ़ने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। उनकी कहानी कहना मेरे लिए सम्मान की बात है और मुझे उम्मीद है कि हम इस महान व्यक्तित्व की विरासत के साथ न्याय कर पाएंगे। इस पहले पोस्टर के साथ हम उस यात्रा की एक झलक साझा कर रहे हैं, जिसमें सिद्धांत चतुर्वेदी उस भूमिका में कदम रख रहे हैं, जिसके लिए हम हमेशा उन्हें उपयुक्त मानते थे।" निर्माता सुभाष काले ने कहा, "वी. शांताराम जी की विरासत भारतीय सिनेमा के सबसे मजबूत स्तंभों में से एक है। उनकी दृष्टि, उनके संघर्ष और उनके नवाचार हम सभी को प्रेरित करते हैं। इस फिल्म के माध्यम से हम उनके जीवन-यात्रा को सबसे ईमानदार तरीके से सम्मानित करना चाहते हैं। आज जब हम पहला पोस्टर जारी कर रहे हैं, हमें गर्व है कि सिद्धांत चतुर्वेदी इस भूमिका में कदम रख रहे हैं। उनकी ईमानदारी और समर्पण उन्हें शांताराम जी की विरासत को आगे ले जाने के लिए एक उपयुक्त चेहरा बनाते हैं।" निर्माता सरिता अश्विन वर्दे ने कहा, "वी. शांताराम सिर्फ भारतीय सिनेमा के महान निर्माताओं में से एक नहीं हैं, वे उसकी धड़कन हैं। फिर भी उनकी असाधारण दृष्टि और योगदान को हमेशा वह सराहना नहीं मिली जिसके वे हकदार थे। इस फिल्म के माध्यम से हम उनकी विरासत को प्रकाश में लाना चाहते हैं। सिद्धांत चतुर्वेदी हमारी पहली और एकमात्र पसंद थे। उनका जुनून और उनकी सच्चाई उन्हें शांताराम जी को पर्दे पर उतारने के लिए एक स्वाभाविक विकल्प बनाते हैं।" यह ऐतिहासिक बायोपिक भारत के सबसे दूरदर्शी कथाकारों में से एक की रंगीन जीवन-यात्रा और सिनेमाई प्रतिभा को प्रस्तुत करती है। अभिजीत शिरीष देशपांडे द्वारा लिखित और निर्देशित यह फिल्म शांताराम जी की अद्भुत यात्रा का अनुसरण करती है मूक फिल्मों के दौर से लेकर ध्वनि और फिर रंगीन युग तक जहाँ वे भारतीय सिनेमा इतिहास की सबसे प्रभावशाली सिनेमाई हस्तियों में से एक बनकर उभरे। राजकमल एंटरटेनमेंट, कैमरा टेक फिल्म्स और रोअरिंग रिवर्स प्रोडक्शन्स द्वारा प्रस्तुत 'वी. शांताराम' का निर्माण राहुल किरण शांताराम, सुभाष काले और सरिता अश्विन वर्दे कर रहे हैं, और इसका निर्देशन अभिजीत शिरीष देशपांडे ने किया है।

मंदसौर के जॉइंट कलेक्टर पर दहेज प्रताड़ना को लेकर FIR दर्ज, वरिष्ठ अधिकारी होने से कार्यवाही से बचते रहे संबधित

पत्नी का आरोप दहेज को लेकर की मारपीट अबॉर्शन भी करवाया, अब हाईकोर्ट ने पीड़िता को दी बड़ी राहत

नीमच। इंदौर पुलिस ने मंदसौर के जॉइंट कलेक्टर राहुल चौहान के खिलाफ दहेज प्रताड़ना की FIR दर्ज की है। पत्नी का आरोप है कि शादी के

बाद से ही दहेज के लिए प्रताड़ित किया जाता रहा लेकिन अधिकारी होने के दबाव-प्रभाव के कारण रिपोर्ट दर्ज नहीं की गई। अब महिला थाना पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज की है। बयान भी लिए हैं, लेकिन, सामान्य धाराओं में ही केस दर्ज कर लिया। इसमें भी पति के नाम के साथ कहीं भी उनकी पोस्ट जॉइंट कलेक्टर का जिक्र नहीं है। पत्नी ने योजनाबद्ध तरीके से अबॉर्शन के भी आरोप पति पर लगाए हैं। पलासिया निवासी निर्मला चौहान (32) की रिपोर्ट पर महिला थाना पुलिस ने 27 नवंबर को राहुल चौहान के खिलाफ दहेज प्रतिषेध अधिनियम 1961-1, 4, भारतीय न्याय संहिता (BNS) 2023 115(2), 296 (B) और 85 के तहत केस दर्ज किया था। जिसकी जानकारी 28 नवंबर को शादी के अगले ही दिन पति ने की मारपीट महिला निर्मला ने FIR में बताया कि मेरी शादी 16 दिसंबर 2018 को हुई थी। तब राहुल चौहान ट्रेनी डिप्टी कलेक्टर थे। परिवारवालों की मर्जी से शादी हुई थी। मेरी मां ने अपनी हैसियत अनुसार गृहस्थी का सारा सामान दिया था। पीड़िता ने बताया कि शादी के अगले दिन से ही मेरे पति मुझे कम दहेज मिलने की बात पर प्रताड़ित कर गालियां देते हुए मारपीट करने लगे। कुछ दिन बाद मेरी मां ने जमीन रजिस्ट्री के लिए 50 हजार रुपए मेरे ससुर को दिए थे। इसके बाद मैं मेरे पति के साथ खरगोन में रहने लगी।

2019 में भी पति मुझे छोड़कर चले गए :-

जून 2019 को मेरे पति UPSC की तैयारी करने दिल्ली मुझे साथ लेकर गए। मैं भी PSC की तैयारी कर रही थी। वहां भी मेरे पति ने मेरे साथ मारपीट की। फिर 31 जुलाई 2019 को मेरे पति मुझे मेरी मां के घर छोड़कर चले गए और तलाक देने की धमकी दी। फिर कुछ माह मुझे लेने नहीं आये।

प्रेग्नेंसी के दौरान भी प्रताड़ना, मिसकेरेज हुआ :-

महिला का आरोप है कि 2020 में गर्भावस्था के दौरान भी पति ने उसे प्रताड़ित किया, जिसके कारण उसका मिसकेरेज हो गया। उसका इलाज बॉम्बे अस्पताल, इंदौर में चला। इसके बाद वह मां के साथ मायके में रहने लगी। कुछ समय बाद जब वह पति के पास धार गई, तो उसे पता चला कि उसका पति किसी अन्य महिला के साथ रह रहा है। महिला का कहना है कि पति जहां-जहां पदस्थ रहा, वहां-वहां उसने उसके साथ उत्पीड़न किया।

तलाक के लिए लगातार दबाव :-

पीड़िता के अनुसार, सरदारपुर में सरकारी आवास में रहने के दौरान पति लगातार तलाक के लिए दबाव बनाता रहा। 17 जुलाई 2022 को पारिवारिक बैठक भी हुई, लेकिन कोई समाधान नहीं निकला और पति घर छोड़कर चला गया। कुछ दिन वह वहां अकेली रही, फिर अपनी मां के घर आ गयी। महिला ने बताया कि शारीरिक और मानसिक रूप से उन्हें काफी प्रताड़ित किया गया है।

अधिवक्ता प्रवीण कचोले का बयान :-

पीड़िता के अधिवक्ता प्रवीण कचोले का कहना है कि आरोपी के खिलाफ कार्यवाही करवाने से उन्हें कई स्तरों पर कठिनाइयों का सामना करना पड़ा। उन्होंने आरोप लगाये कि आरोपी का राजनीतिक और प्रशासनिक स्तर पर प्रभाव है। पहली बार जब सदरपुर थाने में शिकायत के लिए गए तो थाने वालों ने यह कहकर लौटा दिया कि वरिष्ठ अधिकारी के खिलाफ प्रकरण दर्ज नहीं कर सकते हैं।

भारत विकास परिषद का सेवा कार्यक्रमः जरूरतमंदों को ट्राई-साइकिल और ऑक्सीजन मशीनें भेंट, साता माता मंदिर में हुआ आयोजन

नीमच में भारत विकास परिषद द्वारा जरूरतमंदों की सहायता के लिए आयोजित सेवा कार्यक्रम ने शनिवार को साता माता मंदिर परिसर में एक सकारात्मक सामाजिक पहल का रूप लिया। एलआईसी रोड स्थित मंदिर में हुए इस आयोजन में दिव्यांगजनों को ट्राई-साइकिल और गंभीर मरीजों के लिए ऑक्सीजन कंसंट्रेटर मशीनें वितरण की गईं। कार्यक्रम में संस्था अध्यक्ष रवि पोरवाल, सचिव पिंटू शर्मा, कोषाध्यक्ष संदीप दरक, मंदिर समिति सदस्य नरेंद्र पाटीदार और दानदाता राकेश मांदलिया उपस्थित रहे। शुरुआत में परिषद ने मंदिर समिति के एक सदस्य को ट्राई-साइकिल भेंट कर सेवा भावना का संदेश दिया। संस्था ने घोषणा की कि जल्द ही जीरण क्षेत्र के चीताखेड़ा में स्थित आवरी माता मंदिर में भी दिव्यांगजनों के लिए दूसरी ट्राई-साइकिल उपलब्ध कराई जाएगी, जिससे वहां दर्शन के लिए आने वाले दिव्यांगों को होने वाली कठिनाइयाँ कम होंगी। कार्यक्रम के दौरान राकेश मांदलिया द्वारा प्रदान की गई ऑक्सीजन कंसंट्रेटर मशीन अब शहर के जरूरतमंद मरीजों को निःशुल्क उपलब्ध कराई जाएगी। परिषद का उद्देश्य उन परिवारों को राहत देना है जिन्हें उपचार के दौरान ऑक्सीजन की अत्यधिक जरूरत पड़ती है।

ज्ञानोदय इंटरनेशनल स्कूल फैंसी ड्रेस प्रतियोगिता फैंसी ड्रेस प्रतियोगिता में बच्चों ने बिखेरे रंग

नीमच । ज्ञानोदय इंटरनेशनल स्कूल में शनिवार, 29-11-2025 को फैंसी ड्रेस प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इसमें कक्षा नर्सरी से कक्षा दो तक के छात्र-छात्राओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। कार्यक्रम का शुभारंभ मां सरस्वती की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर किया। बच्चों ने श्री कृष्ण, राधा, हमारी संस्कृति और पर्यावरण, सोशल मीडिया की अच्छाई और बुराई, भारतीय सभ्यता की पारंपरिक वेशभूषा, स्वतंत्रता सेनानी, जैसी विभिन्न वेशभूषाएं धारण कर मनमोहक प्रस्तुतियां दीं। मुख्य अतिथि के रूप में सुश्री प्राची शर्मा (असिस्टेंट प्रोफेसर) सुश्री नेहा पाटीदार (असिस्टेंट प्रोफेसर) उपस्थित थे। इस प्रतियोगिता का उद्देश्य बच्चों में रचनात्मकता, आत्मविश्वास और विभिन्न विषयों के प्रति जागरूकता बढ़ाना था। बच्चों ने अपने किरदारों को जीवंत कर संवाद प्रस्तुत किए और मंच पर आत्मविश्वास दिखाया। विद्यालय के प्रधानाचार्य सुशील कुमार ने बच्चों के प्रदर्शन की सराहना और उनका उत्साहवर्धन किया उन्होंने कहा कि फैंसी ड्रेस प्रतियोगिता बच्चों की कल्पना शक्ति को उड़ान देती है और उन्हें मंच पर आने का आत्मविश्वास प्रदान करती है व बच्चों को ऐसे कार्यक्रमों में भाग लेने के लिए प्रेरित करने का आग्रह किया। संस्था की निदेशिका डॉ. गरिमा चौरसिया ये प्रतियोगिताएं बच्चों की छिपी प्रतिभा को निखारती हैं और उनके सामाजिक, बौद्धिक व नैतिक मूल्यों का विकास करती हैं। इस प्रतियोगिता को सफल बनाने में विद्यालय के सभी शिक्षण और गैर-शिक्षण कर्मचारियों का सराहनीय योगदान रहा

विधिक सेवा प्राधिकरण की सचिव श्रीमती मीणा ने किया नीमच और जावद जेल का निरीक्षण

बंदियो को विधिक सहायता उपलब्ध कराने के निर्देश दिए

नीमच। मध्यप्रदेश राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण, जबलपुर के निर्देशानुसार रविवार को जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, नीमच की सचिव श्रीमती शोभना मीणा ने जिला जेल नीमच एवं उप जेल, जावद का निरीक्षण किया। जिला जेल नीमच में जिला विधिक सेवा प्राधिकरण नीमच की सचिव श्रीमती शोभना मीणा ने बंदियों से संवाद स्थापित कर यह सुनिश्चित किया, कि हर बंदी को विधिक सहायता उपलब्ध हो तथा जमानत योग्य प्रकरणों में आवश्यक जमानत आवेदन समय पर प्रस्तुत किए जाएँ। उन्होंने लंबित विधिक सहायता प्रकरणों की जानकारी लेते हुए संबंधित अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान भोजन, स्वास्थ्य सेवाएँ, स्वच्छता, पुस्तकालय एवं अन्य मूलभूत सुविधाओं की भी जानकारी ली। उप जेल जावद में सचिव श्रीमती मीणा ने बंदियों से व्यक्तिगत चर्चा कर, उनके प्रकरणों की स्थिति, विधिक सहायता की उपलब्धता तथा अन्य आवश्यकताओं के बारे में जानकारी प्राप्त की। उन्होंने यह भी निर्देशित किया कि जिन बंदियों को विधिक सहायता की आवश्यकता है, उनके आवेदन शीघ्र जिला विधिक सेवा प्राधिकरण को भेजे।अंत में जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, नीमच की सचिव श्रीमती शोभना मीणा ने दोनों जेल अधीक्षकों एवं स्टाफ को निर्देशित किया, कि राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण के निर्देशों का पालन सुनिश्चित करें तथा कोई भी बंदी विधिक सहायता से वंचित न रहे।यह जानकारी विधिक सहायता अधिकारी नीमच श्री प्रवीण कुमार ने दी।

अज्ञात चोरो ने मंदिर को बनाया निशाना, मंदिर के ताले तोड़ पूजा सामग्री व दान पेटी से नगदी ले उड़े

पहले भी कहीं बार हो चुकी है इस मंदिर पर चोरियां

ब्यूरो रिपोर्ट -" सत्यनारायण सुथार जाट।

पुलिस चौकी जाट अंतर्गत जाट विजयपुर मार्ग गोल डूंगरी चौराहे पर हनुमान मंदिर पर रविवार व सोमवार की रात्रि में अज्ञात चोरों द्वारा मंदिर के ताले तोड़कर मंदिर में रखी पूजन सामग्री व दान पेटी में से पैसे चोरी कर ले गए । ग्रामीण सोहनलाल धाकड़, गोपाल पाराशर व शंकर लाल रेबारी ने बताया कि आज सुबह हम जब मंदिर पर पहुंचे तो मंदिर के में गेट का ताला टूटा हुआ पड़ा था और मंदिर का सारा सामान बिखरा हुआ पड़ा था और दान पेटी का भी ताला टूटा हुआ था । और दान पेटी पूरी खाली थी । जिसकी सूचना हमने जाट पुलिस चौकी पर दी इस घटना को लेकर हमने चौकी पर भी आवेदन दे दिया है। श्रीपुरा निवासी सोहनलाल धाकड़ ने बताया कि आज रात्रि को हनुमान मंदिर पर अज्ञात चोरों द्वारा इस घटना को अंजाम दिया गया जिसमें मंदिर के मेंन गेट के ताले तोड़कर मंदिर में रखी हुई पूजन सामग्री और दीपक के लिए रखा लगभग 5 लीटर तेल और दान पेटी मे से सारे पैसे ले गये । इससे पहले भी इस मंदिर पर कहीं बार चोरी हो चुकी है जिसमें हर बार दान पेटी को निशाना बनाया जाता है । लेकिन अभी तक एक भी बार पुलिस के हाथ इन चोरों तक नहीं पहुंचे। वही इस घटना को लेकर क्षेत्र की जनता में काफी आक्रोश देखा जा रहा है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने मंदसौर जिले के मल्हारगढ़ थाने को देश के श्रेष्ठ थानों की रैंकिंग में 9वां स्थान प्राप्त होने पर दी बधाई

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने मन्त्रि-परिषद की बैठक से पहले किया संबोधित

मंदसौर। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने मन्त्रि-परिषद की बैठक से पहले अपने संबोधन में रायपुर (छत्तीसगढ़) में हुई पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) कॉन्फ्रेंस में मंदसौर जिले के मल्हारगढ़ थाने को देश के श्रेष्ठतम पुलिस थानों की रैंकिंग में 9वी रैंक प्राप्त होने पर बधाई और शुभकामनाएं दीं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि अपराध के ग्राफ, आपराधिक प्रकरणों को सुलझाने की अवधि, स्वच्छता, अधिकारियों-कर्मचारियों के व्यवहार जैसे 70 मापदंडों के परीक्षण के आधार पर प्राप्त यह रैंक प्रदेश के लिए गर्व का विषय है। केन्द्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री श्री अमित शाह द्वारा यह पुरस्कार प्रदान किया गया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने मल्हारगढ़ थाने के पूरे स्टॉफ को भी बधाई दी। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने नई दिल्ली स्थित भारत मंडपम में 14 से 27 नवम्बर तक आयोजित 44वें भारतीय अंतर्राष्ट्रीय व्यापार मेले में राज्यों की श्रेणी में मध्यप्रदेश मंडपम को उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए रजत पदक प्राप्त होने की बधाई भी दी। एक भारत श्रेष्ठ भारत की थीम पर आयोजित मेले में मध्यप्रदेश के मंडप को ग्वालियर किले की थीम पर विकसित किया तथा मंडपम केन्द्र में मुरैना जिले के 64 योगिनी मंदिर को दर्शाया गया था। मध्यप्रदेश मंडपम में प्रदेश की विश्व धरोहरों खजुराहो, सांची स्तूप और भीमबेटका के साथ प्रस्तावित धरोहर स्थलों, विभिन्न सांस्कृतिक महोत्सवों, हस्तशिल्प, हाथकरघा, जी.आई., एक जिला एक उत्पाद को भी सजाया गया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि लुटियन्स ने जब भारतीय संसद भवन का डिजाइन तैयार किया था तब उन्होंने भारत वर्ष की प्रसिद्ध इमारतों के डिजाइन बुलवाए थे, जिसमें से उन्होंने मुरैना जिले के 64 योगिनी मंदिर का चुनाव किया था। इसके आधार पर ही लुटियन्स ने भारतीय संसद भवन का निर्माण कराया था। मन्त्रि-परिषद की बैठक से पहले अपने संबोधन में रायपुर में हुई डीजीपी कॉन्फ्रेंस में मंदसौर के मल्हारगढ़ थाने को देश के श्रेष्ठतम पुलिस थानों की रैंकिंग में 9वी रैंक प्राप्त होने पर बधाई और शुभकामनाएं दीं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने मल्हारगढ़ थाने के पूरे स्टॉफ को भी बधाई दी। केन्द्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री श्री अमित शाह द्वारा यह पुरस्कार प्रदान किया गया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने मध्यप्रदेश मंडपम को उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए रजत पदक प्राप्त होने की बधाई भी दी। 44वां भारतीय अंतर्राष्ट्रीय व्यापार मेला दिल्ली में 14 से 27 नवम्बर तक आयोजित हुआ। मध्यप्रदेश के मंडप को ग्वालियर किले की थीम पर विकसित किया।

कलेक्टर श्री हिमांशु चंद्रा का बेहतरीन मैनेजमेंट..एस.आई.आर में टीम नीमच की कड़ी मेहनत और जिले में हो गए 100% " इम्युरेशन फॉर्म डिजिटाइज्ड

नीमच जिले ने कलेक्टर श्री हिमांशु चंद्रा के बेहतरीन मैनेजमेंट और एडीएम, तीनों एसडीएम, बीएलओ, सहायक, ईआरओ, एईआरओ, और एस.आई.आर.में लगी सम्पूर्ण टीम के सभी सदस्यों की मेहनत, मतदाताओं के सकारात्मक सहयोग से प्रदेश में शत प्रतिशत इम्युरेशन फॉर्म डिजिटाइज्ड करने वाले जिलों में नीमच जिले का नाम शुमार कर कीर्तिमान रच दिया है। जिले की तीनों विधानसभा में कुल 6 लाख 19 हजार 141 मतदाता है जिनके 4 दिसम्बर तक फॉर्म भरे जाने थे, और उनका डिजिटाइजेशन होना था, कलेक्टर श्री चंद्रा की कार्यक्षमता और संयुक्त प्रयासों से 29 नवंबर तक ही तीनो विधानसभा नीमच, जावद एवं मनासा क्षेत्र में100 प्रतिशतमतदाताओं के इम्युरेशन फार्म डिजिटाइज्ड कर, नीमच जिले ने बड़ी उपलब्धी हासिल करली है। एक तरफ जहां बीएलओ और उनके सहायक घर घर, गली गली जा कर मतदाताओं को फॉर्म देने से लेकर उनके फॉर्म भरने में दिन रात एक कर रहे थे वहीं कलेक्टर, एडीएम, एसडीएम, तहसीलदार, सीईओ दिन में दो-दो, तीन -तीन बैठक करसमय समय पर स्वयं निरीक्षण करने केंद्रों पर जाकर, पल पल का अपडेट लेकर कार्य को गतिमान बनाए रख थे। 29 नवंबर प्रातः 10 बजे तक 100% फार्म डिजिटाइज्ड करने वालों में मप्र में तीन जिले नीमच, बैतूल और अशोक नगर शामिल है। सुनियोजित प्लानिंग के तहत यह SIR का एक बड़ा पड़ाव नीमच जिले ने पार कर लिया है। नीमच कलेक्टर श्री चंद्रा ने जिले के सारे बीएलओ, उनके सहायकों, ईआरओ, एईआरओ, और सभी जागरूक मतदाताओं को इस उललब्धी का सारा श्रेय देते हुए नीमच की सम्पूर्ण टीम को बधाई दी है।

कलेक्टर द्वारा बिसलवास सोनगरा के पीडित परिवार को रेडक्रास से 25 हजार रूपये की आर्थिक सहायता स्वीकृत

नीमच। कलेक्टर श्री हिमांशु चंद्रा द्वारा बिसलवास सोनगरा के आवेदक रोहित सेन, चेतन सेन के आवेदन पर परिवार के भरण पोषण के लिए रेडक्रास नीमच से 25 हजार रूपये की तात्कालिक आर्थिक सहायता स्वीकृत कर दी गई है। साथ ही छात्र चेतन को शिक्षा के लिए नीमच में उत्कृष्ट विद्यालय में प्रवेश दिलाने और नीमच के स्थानीय छात्रावास में भर्ती करवाने के निर्देश दिए है।उल्लेखनीय है, कि आवेदक रोहित एवं चेतन सेन के पिता कारूलाल एवं माता रेखाबाई की गत दिनो एक सड़क दुर्घटना में उपचार के दौरान मृत्यु हो गई थी। इससे परिवार को भरण पोषण की समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है। इस पर कलेक्टर ने तत्काल पीडित परिवार को 25 हजार रूपये की आर्थिक सहायता स्वीकृत की है। साथ ही पुत्र चेतन की निःशुल्क शिक्षा व्यवस्थाव नीमच के छात्रावास में आवासीय व्यवस्था करने के निर्देश संबंधित अधिकारियों को दिए है।

मनासा में युवक ने सल्फास खाकर की आत्महत्या का प्रयास, हालत गंभीर

मनासा नगर में एक युवक ने सल्फास जैसे अत्यधिक जहरीले पदार्थ का सेवन कर आत्महत्या का प्रयास किया। उसकी गंभीर स्थिति को देखते हुए उसे नीमच जिला अस्पताल के आईसीयू में भर्ती कराया गया है, जहाँ डॉक्टरों की टीम लगातार उपचार कर रही है। युवक की पहचान अलेहड़ निवासी 30 वर्षीय अशोक पिता कैलाश माली के रूप में हुई है। बताया गया है कि उसने यह खतरनाक कदम मनासा स्थित मारू ट्रैक्टर शोरूम के पास उठाया। घटना के बाद मौके पर आसपास के लोग एकत्रित हो गए और तुरंत परिजनों को सूचना दी। परिजनों ने उसे तत्काल मनासा के प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया। सल्फास का प्रभाव तेजी से बढ़ने के कारण उसकी स्थिति और गंभीर हो गई। मनासा के चिकित्सकों ने प्राथमिक उपचार के बाद गंभीर हालत को देखते हुए उसे नीमच जिला चिकित्सालय रेफर कर दिया। शुक्रवार रात को उसे जिला अस्पताल के ट्रॉमा सेंटर आईसीयू में भर्ती किया गया, जहाँ उसका इलाज जारी है। युवक ने यह आत्मघाती कदम क्यों उठाया, इसका कारण अभी स्पष्ट नहीं हो पाया है। पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है और परिजनों से पूछताछ की जा रही है।

कैसे AI चुपचाप भारत का इंटरनेट बदल रहा है, और क्यों भारत को इस पर ध्यान देना चाहिए

साभार- विजया तिवारी सीनियर सायबर एक्सपर्ट

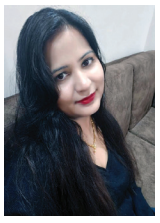

जब आप अपना फोन खोलते हैं—दिल्ली, मुंबई, पटना या किसी भी शहर में—आपकी स्क्रीन पर जो भी दिखता है, वह सिर्फ संयोग नहीं होता। कौन-सा वीडियो सामने आएगा, कौन-सी खबर दिखेगी, कौन-सा प्रोडक्ट सुझाया जाएगा—ये सब AI (आर्टिफ़िशियल इंटेलिजेंस) तय करता है।

AI हमारे हर क्लिक, हर स्क्रॉल, और हर रुके हुए पल को देखकर सीखता है कि हमें क्या पसंद है। इसके बाद वही चीजें बार-बार दिखाकर हमें ऐप पर बनाए रखता है—कभी खरीदने के लिए, कभी वीडियो देखने, और कभी-कभी हमारा मन बदलने के लिए।

भारत में AI किस तरह अदृश्य तरीके से काम कर रहा है

भारत में लगभग हर बड़ा डिजिटल प्लेटफॉर्म—चाहे वह सोशल मीडिया हो, ई-कॉमर्स वेबसाइटें हों या बैंकिंग ऐप्स—AI का इस्तेमाल करता है।

उदाहरण:

सोशल मीडिया: कौन-सी पोस्ट आपको दिखेगी, यह एल्गोरिदम तय करते हैं।

ऑनलाइन शॉपिंग: हर क्लिक के बाद आपको जो "Recommended Products" दिखते हैं, वे आपकी पिछली गतिविधि पर आधारित होते हैं।

यूट्यूब और ओटीटी: क्या देखेंगे, यह आपकी पसंद को पढ़कर तय किया जाता है — भले आप कुछ न कहें। ये बदलाव इतने सामान्य लगते हैं कि पता भी नहीं चलता कि पर्दे के पीछे क्या हो रहा है।

कुछ महत्वपूर्ण बातें:

भारत में 75 करोड़ से ज्यादा इंटरनेट उपयोगकर्ता हैं। ग्रामीण क्षेत्रों में भी इंटरनेट तेजी से फैल रहा है।बैंक, फिनटेक ऐप्स, और सरकारी सेवाएँ—सब AI आधारित टेक्नोलॉजी अपना रहे हैं। AI अब लोगों को लोन देने, बीमा की कीमत तय करने, नौकरी के उम्मीदवार चुनने और यहां तक कि कौन-सी सरकारी योजना किसे दिखेगी—सब कुछ तय करने में मदद कर रहा है। पर भारत के सामने बड़ी चुनौती है: पारदर्शिता की कमीअन्य देशों की तरह भारत में भी लोग यह नहीं जानते कि: उनके बारे में कौन-सा डेटा इकट्ठा किया जा रहा है, उस डेटा का उपयोग कैसे हो रहा है,कौन-से एल्गोरिदम फैसला कर रहे हैं।

भारत का डिजिटल बूम:

AI अब हर जगह भारत दुनिया के सबसे बड़े डिजिटल बाज़ारों में से एक है। सस्ते इंटरनेट, करोड़ों मोबाइल उपयोगकर्ताओं और तेज़ी से बढ़ते डिजिटल पेमेंट्स ने AI को और अधिक ताकत दी है।

उदाहरण:

किसी को लोन क्यों मिला?

किसी की पोस्ट क्यों वायरल हुई?

किसी को ऑनलाइन ज्यादा महंगी कीमत क्यों दिखाई गई? इनमें से ज्यादातर फैसले मशीनें लेती हैं-और लोग नहीं जानते कि ये फैसले गलत या पक्षपाती भी हो सकते हैं भारत का नया Data Protection Act: सही दिशा में एक कदम भारत का Digital Personal Data Protection Act 2023 कहता है कि: लोगों को यह जानने का अधिकार है कि उनका डेटा कैसे इस्तेमाल हो रहा है। अगर कोई महत्वपूर्ण फैसला मशीन द्वारा लिया जा रहा है, तो नागरिक उसे चुनौती दे सकते हैं।

यह एक अच्छा कदम है, लेकिन अभी भी बड़े पैमाने पर लागू होने में समय लगेगा। भारत को क्या कदम उठाने चाहिए? (तीन सरल सुझाव)

1. कंपनियों को खुलकर बताना चाहिए कि

AI क्या कर रहा है

क्यों आपको यह विज्ञापन दिखा?

क्यों आपकी पोस्ट कम लोगों को दिखाई गई?

क्यों आपका लोन मंजूर या नामंजूर हुआ?

साधारण भाषा में यह जानकारी मिलनी चाहिए।

2. बड़े प्लेटफॉर्म्स को अपने एल्गोरिदम का परीक्षण कराना चाहिए

जैसे क्या AI किसी जाति, क्षेत्र, लिंग या वर्ग के खिलाफ पक्षपात कर रहा है?क्या AI गलत तरीके से महंगी कीमतें दिखा रहा है?ये परीक्षण ज़रूरी हों ताकि आम लोग सुरक्षित रहें। डिजिटल साक्षरता जरूरी है

भावांतर योजना में सोयाबीन का मॉडल रेट 4235 रुपए जारी

भावांतर योजना 2025 के अंतर्गत सोयाबीन विक्रेता किसानों के लिए 2 दिसंबर को 4235 रुपए प्रति क्विंटल का मॉडल रेट जारी किया गया है। यह मॉडल रेट उन किसानों के लिए है जिन्होंने अपनी सोयाबीन की उपज मंडी प्रांगणों में विक्रय की है। इस मॉडल रेट के आधार पर ही भावांतर की राशि की गणना की जाएगी। मॉडल रेट और न्यूनतम समर्थन मूल्य के भावांतर की राशि राज्य सरकार द्वारा दी जा रही है। सोयाबीन का पहला मॉडल रेट 7 नवंबर को 4020 रुपए प्रति क्विंटल जारी किया गया था। इसी तरह 8 नवंबर को 4033 रुपए, 9 और 10 नवंबर को 4036 रुपए, 11 नवंबर को 4056 रुपए, 12 नवंबर को 4077 रुपए, 13 नवंबर को 4130 रुपए, 14 नवंबर को 4184 रुपए, 15 नवंबर को 4225 रुपए, 16 नवंबर को 4234 रुपए, 17 नवंबर को 4236 रुपए, 18 नवंबर को 4255 रुपए, 19 नवंबर को 4263 रुपए, 20 नवंबर को 4267 रुपए, 21 नवंबर को 4271 रुपए और 22 नवंबर को 4285 रुपए, 23, 24 नवंबर को 4282 रुपए, 25 नवंबर को 4277 रुपए, 26 नवंबर को 4265 रुपए, 27 नवंबर को 4252 रुपए, 28 नवंबर को 4260 रुपए, 29 नवंबर को 4240 रुपए, 30 नवंबर को 4237 रुपए और 1 दिसंबर को 4239 रुपए प्रति क्विंटल का मॉडल रेट जारी हुआ था। राज्य सरकार की गारंटी है कि किसानों को हर हाल में सोयाबीन के न्यूनतम समर्थन मूल्य की 5328 रुपए प्रति क्विंटल की राशि मिलेगी।

OTP माँगकर खाली कर रहे खाते

SIR प्रक्रिया पर साइबर अटैक रहे सावधान

साभार- कुणाल भावसार-सायबर सिक्युरिटी एक्सपर्ट अहमदाबाद

SIR फॉर्म साइबर ठगी – महत्वपूर्ण चेतावनी (इलेक्शन वोटर लिस्ट अपडेट के नाम पर नया साइबर फ्रॉड) क्या हो रहा है? :- ठग लोग चुनाव आयोग (ECI) या BLO बनकर फोन/व्हाट्सऐप कर रहे हैं और कहते हैं: * "आपका SIR फॉर्म गलत है" * "आपका नाम वोटर लिस्ट से हट जाएगा"* "तुरंत OTP बताइए" या * "ये लिंक/SIR.apk डाउनलोड कीजिए" अगर आप OTP दे देते हैं या ऐप डाउनलोड करते हैं तो आपके बैंक खाते, UPI, और फोन का डेटा खतरे में पड़ जाता है। क्योंकि असली SIR प्रक्रिया में न OTP माँगा जाता है, न कोई ऐप।

याद रखे चुनाव आयोग कभी नहीं माँगता

* OTP, * बैंक/UPI डिटेल * कोई ऐप/लिंक डाउनलोड SIR का काम ज्यादातर घर-घर फॉर्म चेक कर के किया जाता है।

आपको क्या करना चाहिए?

* अनजान नंबर से आए चुनाव/SIR वाले कॉल पर भरोसा न करें। * OTP किसी को न बताएं (चाहे वे सरकारी अफसर ही क्यों न बनें)। * किसी लिंक या APK कोडाउनलोड न करें। * धमकी जैसे "नाम हट जाएगा"- सिर्फ ठगी है। संदेह हो तो अपने स्थानीय चुनाव कार्यालय/BLO से खुद संपर्क करें।परिवार को जरूर बताएं यह ठगी खासकर बुजुर्गों, ग्रामीण लोगों और कम तकनीकी जानकारी वाले लोगों को निशाना बना रही है।उन्हें भी यह संदेश भेजें। सावधान रहें सतर्क रहें ।

मंदसौर के जॉइंट कलेक्टर पर दहेज प्रताड़ना को लेकर FIR दर्ज, वरिष्ठ अधिकारी होने से कार्यवाही से बचते रहे संबधित

पत्नी का आरोप दहेज को लेकर की मारपीट अबॉर्शन भी करवाया, अब हाईकोर्ट ने पीड़िता को दी बड़ी राहत

नीमच। इंदौर पुलिस ने मंदसौर के जॉइंट कलेक्टर राहुल चौहान के खिलाफ दहेज प्रताड़ना की FIR दर्ज की है। पत्नी का आरोप है कि शादी के बाद से ही दहेज के लिए प्रताड़ित किया जाता रहा लेकिन अधिकारी होने के दबाव-प्रभाव के कारण रिपोर्ट दर्ज नहीं की गई। अब महिला थाना पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज की है। बयान भी लिए हैं, लेकिन, सामान्य धाराओं में ही केस दर्ज कर लिया। इसमें भी पति के नाम के साथ कहीं भी उनकी पोस्ट जॉइंट कलेक्टर का जिक्र नहीं है। पत्नी ने योजनाबद्ध तरीके से अबॉर्शन के भी आरोप पति पर लगाए हैं। पलासिया निवासी निर्मला चौहान (32) की रिपोर्ट पर महिला थाना पुलिस ने 27 नवंबर को राहुल चौहान के खिलाफ दहेज प्रतिषेध अधिनियम 1961-1, 4, भारतीय न्याय संहिता (BNS) 2023 115(2), 296 (b) और 85 के तहत केस दर्ज किया था। जिसकी जानकारी 28 नवंबर को शादी के अगले ही दिन पति ने की मारपीट महिला निर्मला ने FIR में बताया कि मेरी शादी 16 दिसंबर 2018 को हुई थी। तब राहुल चौहान ट्रेनी डिप्टी कलेक्टर थे। परिवारवालों की मर्जी से शादी हुई थी। मेरी मां ने अपनी हैसियत अनुसार गृहस्थी का सारा सामान दिया था। पीड़िता ने बताया कि शादी के अगले दिन से ही मेरे पति मुझे कम दहेज मिलने की बात पर प्रताड़ित कर गालियां देते हुए मारपीट करने लगे। कुछ दिन बाद मेरी मां ने जमीन रजिस्ट्री के लिए 50 हजार रुपए मेरे ससुर को दिए थे। इसके बाद मैं मेरे पति के साथ खरगोन में रहने लगी।

2019 में भी पति मुझे छोड़कर चले गए :-

जून 2019 को मेरे पति UPSC की तैयारी करने दिल्ली मुझे साथ लेकर गए। मैं भी PSC की तैयारी कर रही थी। वहां भी मेरे पति ने मेरे साथ मारपीट की। फिर 31 जुलाई 2019 को मेरे पति मुझे मेरी मां के घर छोड़कर चले गए और तलाक देने की धमकी दी। फिर कुछ माह मुझे लेने नहीं आये।

प्रेग्नेंसी के दौरान भी प्रताड़ना, मिसकेरेज हुआ :-

महिला का आरोप है कि 2020 में गर्भावस्था के दौरान भी पति ने उसे प्रताड़ित किया, जिसके कारण उसका मिसकेरेज हो गया। उसका इलाज बॉम्बे अस्पताल, इंदौर में चला। इसके बाद वह मां के साथ मायके में रहने लगी। कुछ समय बाद जब वह पति के पास धार गई, तो उसे पता चला कि उसका पति किसी अन्य महिला के साथ रह रहा है। महिला का कहना है कि पति जहां-जहां पदस्थ रहा, वहां-वहां उसने उसके साथ उत्पीड़न किया।

तलाक के लिए लगातार दबाव :-

पीड़िता के अनुसार, सरदारपुर में सरकारी आवास में रहने के दौरान पति लगातार तलाक के लिए दबाव बनाता रहा। 17 जुलाई 2022 को पारिवारिक बैठक भी हुई, लेकिन कोई समाधान नहीं निकला और पति घर छोड़कर चला गया।

कुछ दिन वह वहां अकेली रही, फिर अपनी मां के घर आ गयी। महिला ने बताया कि शारीरिक और मानसिक रूप से उन्हें काफी प्रताड़ित किया गया है।

अधिवक्ता प्रवीण कचोले का बयान :- पीड़िता के अधिवक्ता प्रवीण कचोले का कहना है कि आरोपी के खिलाफ कार्यवाही करवाने से उन्हें कई स्तरों पर कठिनाइयों का सामना करना पड़ा। उन्होंने आरोप लगाये कि आरोपी का राजनीतिक और प्रशासनिक स्तर पर प्रभाव है। पहली बार जब सदरपुर थाने में शिकायत के लिए गए तो थाने वालों ने यह कहकर लौटा दिया कि वरिष्ठ अधिकारी के खिलाफ प्रकरण दर्ज नहीं कर सकते हैं।

कुटुंब न्यायालय, इंदौर के आदेश को हाईकोर्ट ने किया निरस्त, भरण-पोषण मामले में क्षेत्राधिकार को किया बहाल :-

याचिकाकर्ता के हाई कोर्ट अधिवक्ता सागर मोदी द्वारा दी गई जानकारी के अनुसार मध्यप्रदेश उच्च न्यायालय, इंदौर खंडपीठ ने कुटुंब न्यायालय, इंदौर द्वारा पारित आदेश दिनांक 21/11/2024 को अवैध ठहराते हुए उसे निरस्त कर दिया है। यह आदेश रिवीजन याचिकाकर्ता की ओर से दायर क्रिमिनल रिवीजन के जरिए चुनौती दी गई थी। कुटुंब न्यायालय ने पूर्व में याचिकाकर्ता द्वारा दायर भरण-पोषण अर्जी (धारा 125 दं.प्र.सं.) को यह कहते हुए वापस कर दिया था कि मामला इंदौर न्यायालय के क्षेत्राधिकार में नहीं आता। याचिकाकर्ता ने इसे गलत बताते हुए हाईकोर्ट की शरण ती थी। अधिवक्ता ने जानकारी देते हुए बताया कि याचिकाकर्ता व प्रतिवादी, दोनों का वैवाहिक जीवन इंदौर एवं मध्यप्रदेश के विभिन्न स्थानों पर व्यतीत हुआ है। प्रतिवादी, जो कि राज्य प्रशासनिक सेवा में पदस्थ एसडीएम हैं, ने भी अपने तलाक व वैवाहिक विवाद से संबंधित मामलों में स्वयं याचिकाकर्ता का पता "1-13, PWD कॉलोनी, शिव मंदिर, ओल्ड पत्तासिया, इंदौर बताया था

हाईकोर्ट ने माना कि कुटुंब न्यायालय ने इस महत्वपूर्ण तथ्य को नज़रअंदाज़ किया कि सेवा स्थानांतरण के बाद सरकारी निवास स्थायी पता

ऑनलाइन शिक्षा

सीखना जीवन में पैसे की निरंतर आवश्यकता जैसा है। उदाहरण के लिए, हम हर दिन पैसे खर्च करते हैं, इसलिए काम करने का मतलब है कि हम अपने पैसे फिर से भरते हैं। इसी तरह, हम हर दिन अपना ज्ञान साझा करते हैं और समय के साथ नई चीजें सीखते हैं। यह स्वाभाविक और सहज है, और जितना अधिक हम अपने ज्ञान का विस्तार करते हैं, हमारी दुनिया उतनी ही बड़ी होती जाती है। जितना अधिक आप सीखते हैं, उतना ही आपका दिमाग खुलता है। महत्वपूर्ण बात यह है कि साधारण, मानवीय स्तर पर, सीखना स्वस्थ है। मस्तिष्क को सक्रिय रखना उम्र से संबंधित संज्ञानात्मक और स्मृति हानि को रोकने में भी भूमिका निभा सकता है—आप सीखने के लिए कभी भी बहुत बूढ़े नहीं होते।

ऑनलाइन शिक्षा के क्या फायदे और नुकसान हैं?

आइए इसके फायदों से शुरुआत करते हैं—और सबसे बड़ा, सबसे स्पष्ट। ऑनलाइन सीखने का मतलब है कि आप इसे दुनिया में कहीं से भी, कहीं भी कर सकते हैं। और अक्सर आप इसे अपनी सुविधानुसार समय पर कर सकते हैं। कुछ पाठ पहले से रिकॉर्ड किए जाते हैं, जो आपके द्वारा चुने गए विषय और प्रारूप पर निर्भर करता है। कुछ आपको अपने समय पर पूरा करने के लिए होमवर्क भी देते हैं। इसका मतलब है कि आप अपनी गति से आगे बढ़ सकते हैं। इसके अलावा, यह किफ़ायती भी है। कक्षा-आधारित शिक्षा का मतलब है आने-जाने की कोई ज़रूरत नहीं। गाड़ी चलाना, पार्किंग, घर बदलना—ये सब खर्चा जुड़ जाता है। और अगर आप अभिभावक हैं, तो आपको कैंपस-आधारित शिक्षा के लिए बच्चों की देखभाल का भी ध्यान रखना पड़ सकता है। ऑनलाइन सीखने पर ये खर्च लगभग गायब हो जाते हैं। पाठ्यक्रम की ज़्यादातर सामग्री डिजिटल होने से आपको पाठ्यपुस्तकों पर भी बचत होगी।

और अब, विपक्ष...

कक्षा में सीखने का एक सामाजिक पहलू भी है जिसे ऑनलाइन दोहराना मुश्किल है। हालाँकि, ज़ूम जैसे डिजिटल मीटिंग सॉफ़्टवेयर ने 'रूम्स' सुविधा अपनाई है, जहाँ छात्र छोटे-छोटे समूहों में बँट सकते हैं। इससे लोगों को ज़्यादा जुड़ाव महसूस करने में मदद मिल सकती है। हल्ट में, दुनिया भर से छात्र लाइव ऑनलाइन कक्षाओं में शामिल होते हैं और वर्चुअल ब्रेकआउट रूम के ज़रिए समुदाय और टीम वर्क की भावना पैदा करने में कामयाब रहे हैं, जहाँ छात्र छोटे-छोटे समूहों में बातचीत कर सकते हैं, बातचीत कर सकते हैं और सीख सकते हैं।

इसके अलावा, ऑनलाइन पढ़ाई में आत्म-प्रेरणा पाना मुश्किल हो सकता है। इसके लिए अच्छे समय प्रबंधन और नियमित दिनचर्या की ज़रूरत होती है। ऑनलाइन पढ़ाने की बढ़ती प्रवृत्ति के साथ, प्रोफ़ेसर भी अपने कौशल में सुधार कर रहे हैं। वे लगातार इस बात पर विचार कर रहे हैं कि ऑनलाइन पढ़ाई को मज़ेदार और ज़्यादा आकर्षक कैसे बनाया जाए। खुद को यह याद दिलाना कि आप क्यों सीख रहे हैं, उपयोगी हो सकता है। थोड़ी देर के लिए ब्लॉक के आसपास टहलना भी अक्सर आपकी प्रेरणा को फिर से जगा सकता है। यह जानने के बारे में है कि आपके लिए क्या कारगर है। एक और बात जिसका ध्यान रखना ज़रूरी है, वह है स्क्रीन से थकान। यह एक वास्तविक समस्या है। इसलिए टहलने जाएँ, ब्रेक लें और अपनी स्क्रीन पर f.lux जैसे ब्लू लाइट फ़िल्टर लगाएँ।

जहां हल्ट ऑनलाइन व्यावसायिक शिक्षा में मानक स्थापित करता है

जब बात व्यावसायिक शिक्षा में ऑनलाइन शिक्षा की आती है, तो हल्ट का ग्लोबल ऑनलाइन एमबीए अपनी अलग पहचान रखता है। सीईओ मैगज़ीन द्वारा दूसरे और क्यूएस वर्ल्ड यूनिवर्सिटी रैंकिंग में दुनिया भर में 16वें स्थान पर , हमारा प्रोग्राम लचीलेपन और एक आकर्षक, वैश्विक शिक्षण वातावरण का मिश्रण करके ऑनलाइन पढ़ाई के अर्थ को नए सिरे से परिभाषित करता है। यह अनूठा अंशकालिक एमबीए प्रोग्राम उन कामकाजी पेशेवरों के लिए डिज़ाइन किया गया है जो अपने करियर से पीछे हटे बिना एक शीर्ष-रैंक वाले एमबीए की कठोरता और मान्यता प्राप्त करना चाहते हैं। यह लाइव ऑनलाइन कक्षाओं को स्व-निर्देशित अध्ययन के साथ संतुलित करता है, जिससे प्रतिभागियों को अपने जीवन के अनुरूप अपनी शिक्षा को संरचित करने की क्षमता मिलती है। लेकिन, हल्ट ग्लोबल ऑनलाइन एमबीए उम्मीदवारों के लिए, ऑनलाइन सीखना केवल सीखने तक ही सीमित नहीं है। हर दूसरे महीने, छात्र अंतरराष्ट्रीय स्तर पर प्रसिद्ध संकाय द्वारा लाइव पढ़ाई जाने वाली अत्यधिक इंटरैक्टिव ऑनलाइन कक्षाओं में शामिल होते हैं। वे अपने सीखे हुए ज्ञान को वास्तविक समय में एक साथ लागू करने के लिए सहयोगी, व्यावहारिक व्यावसायिक चुनौतियों में भी भाग लेते हैं।

इसलिए, एक ऑनलाइन कार्यक्रम होने के बावजूद, प्रतिभागी घर बैठे ही एक वैश्विक नेटवर्क बना सकते हैं, विविध उद्योगों और संस्कृतियों के पेशेवरों से जुड़ सकते हैं। कार्यक्रम के वर्चुअल ब्रेकआउट रूम, टीम प्रोजेक्ट और संकाय कार्यालय समय एक सामुदायिक भावना पैदा करते हैं जो पारंपरिक कैंपस अनुभव को प्रतिबिंबित करती है। और जो लोग नेटवर्किंग और सीखने को और आगे ले जाना चाहते हैं, उनके लिए गर्मियों के दौरान दो वैकल्पिक पाठ्यक्रमों के लिए कैंपस आने का विकल्प उपलब्ध है। यह हाइब्रिड दृष्टिकोण छात्रों को ऑनलाइन सीखने के लचीलेपन और व्यक्तिगत सहयोग की ऊर्जा, दोनों का अनुभव करने का अवसर देता है

ऑनलाइन शिक्षा की मुख्य बातें

दूरस्थ शिक्षाः आप भौतिक कक्षा में जाए बिना, इंटरनेट के माध्यम से पढ़ाई करते हैं।
लचीलापनः छात्र अपनी गति से सीख सकते हैं, क्योंकि कक्षाएं और सामग्री अक्सर रिकॉर्ड की जाती हैं जिन्हें बाद में देखा जा सकता है। सामग्री और पहुंचः सभी शिक्षण सामग्री, जैसे कि टेक्स्ट, वीडियो और अन्य संसाधन, ऑनलाइन उपलब्ध होते हैं।
मूल्यांकनः मूल्यांकन ऑनलाइन परीक्षाओं, क्विज़ और परीक्षणों के माध्यम से किया जाता है।
सुविधाः आपको आने-जाने की ज़रूरत नहीं होती, जिससे समय और पैसा बचता है।
फायदे
समय और पैसे की बचतः यात्रा का समय और खर्च बचता है, साथ ही स्कूल की वर्दी और अन्य शुल्कों का खर्च भी कम होता है।
लचीलापनः अपनी सुविधानुसार पढ़ाई कर सकते हैं और अन्य कामों के लिए भी समय निकाल सकते हैं।
विभिन्न शिक्षण शैलियों के लिए विकल्पः आप अपनी सीखने की शैली के अनुसार सामग्री (जैसे वीडियो, ऑडियो, टेक्स्ट) चुन सकते हैं।
लगातार अध्ययनः अपनी पढ़ाई को जारी रखने के लिए आपको हर समय कक्षा में मौजूद रहने की आवश्यकता नहीं है।
चुनौतियाँ
आत्म-अनुशासनः अपनी पढ़ाई को समय पर पूरा करने के लिए आत्म-अनुशासन की आवश्यकता होती है।
डिजिटल डिवाइडः कुछ छात्रों के पास आवश्यक उपकरण और इंटरनेट की पहुंच नहीं हो सकती है, जो एक चुनौती है।
इंटरनेट कनेक्टिविटीः धीमी इंटरनेट स्पीड ऑनलाइन कक्षाओं में बाधा बन सकती है।
सामाजिक संपर्क की कमीः ऑनलाइन चर्चाओं और समूह गतिविधियों में भाग लेने के लिए सक्रिय रहने की आवश्यकता होती है, ताकि समुदाय की भावना बनी रहे।

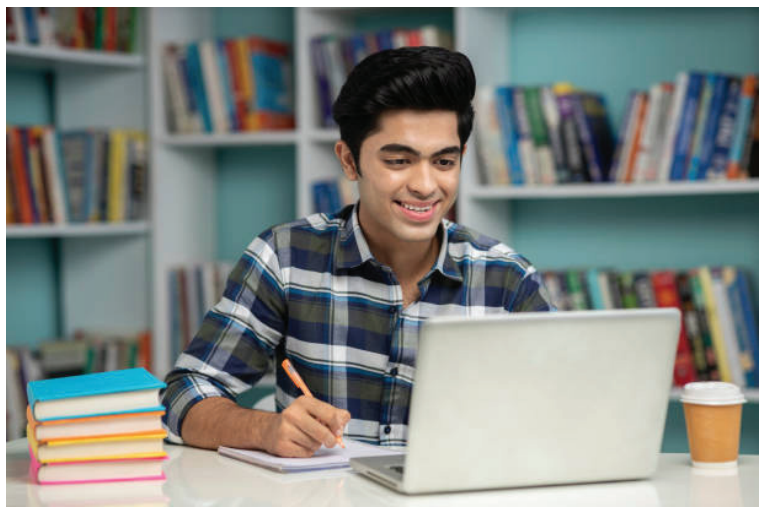

डॉ. मोहन यादव, मुख्यमंत्री

इन्वेस्ट मध्यप्रदेश
अनंत संभावनाएं

उद्योग एवं रोज़गार वर्ष 2025

नरेन्द्र मोदी, प्रधानमंत्री

प्रदेश के कृषि फीडर्स को सौर ऊर्जीकृत करने का अभियान

नवीकरणीय ऊर्जा से समृद्ध होता मध्यप्रदेश

व्यापक निवेश अवसर

सूर्य मित्र कृषि फीडर योजना

योजना के प्रमुख उद्देश्य

- मध्यप्रदेश पावर मैनेजमेंट कंपनी को कम मूल्य पर बिजली की उपलब्धता सुनिश्चित कराना
- ट्रांसमिशन हानि कम करना एवं सीधे खपत स्थल पर बिजली पहुंचाना
- 33/11 केवी उपकेंद्रों पर ओवरलोडिंग, लो-वोल्टेज और पावर कट की समस्या कम करना
- किसान को सिंचाई के लिये दिन में बिजली उपलब्ध कराना

नवीकरणीय ऊर्जा का विस्तार

- सब-स्टेशन की 100% क्षमता तक की परियोजनाओं की स्थापना
- परियोजनाओं को पीएम कुसुम-सी योजनांतर्गत उपलब्ध केंद्रीय अनुदान का लाभ लेने का विकल्प
- 1900 से अधिक विद्युत सबस्टेशन एवं 14500 मेगावॉट क्षमता सौर परियोजनाओं के चयन हेतु उपलब्ध
- पीएम कुसुम योजना में 3.45 लाख पम्प का लक्ष्य
- वोकल फॉर लोकल - स्थानीय उद्यमियों के लिए निवेश एवं रोज़गार सृजन का उचित अवसर
- वित्त पोषण की सुगमता के लिए बैंकों से समन्वय
- परियोजनाओं में AIF के तहत 7 वर्षों तक 3% ब्याज में छूट
- Reactive Power प्रबंधन से अतिरिक्त आय

D-18069/25

मध्यप्रदेश जनसम्पर्क द्वारा जारी

आकल्पन : म.प्र. लाध्यम/2025

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक अविनाश जाजपुरा के द्वारा यश प्रिंटिंग प्रेस स्कीम नम्बर 36 ए कलेक्टर कार्यालय के सामने मुद्रित एवं कास्मो स्कूल के पास इन्दिरा नगर नीमच से प्रकाशित - सम्पर्क 9893796737 (सभी विवादों का न्यायिक क्षेत्र नीमच रहेगा ।)